डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

ख़बरों में विश्वविद्यालय
मार्च 2023

दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न

सागार, देशबन्धु। डॉक्टर हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के 31वें दीक्षांत समारोह के आयोजन के संबंध में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में दीक्षांत सलाहकार समिति और विभिन्न समितियों समन्वयक और उपसमन्वयकों की बैठक प्रशासनिक भवन के गौर समिति कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में कुलपति ने विभिन्न समितियों से आयोजन की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो.नवीन कानगो ने बताया कि 14 मार्च को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के लिए 1053 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है। जो छात्र-छात्राएं दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे उनके लिए विस्तृत दिशा निर्देश जल्द ही जारी किये जायेंगे। इसके लिए छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाईट का अवलोकन करते रहें। बैठक में विश्वविद्यालय के संकाय मामले के निदेशक प्रो.पीके कठल निदेशक शोध एवं विकास प्रो.हेरेल थॉमस, प्रो.संजय जैन, प्रो.सुबोध जैन, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रो. जीएल पुणताम्बेकर, प्रो. उमेश पाटिल, डॉ. ललित मोहन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो. वंदना सोनी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एसपी गादेवार तथा विभिन्न समितियों के समन्वयक एवं उपसमन्वयक उपस्थित थे।

दीक्षांत समारोह की बैठक सम्पन्न

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंहं गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर के 31वें दीक्षांत समारोह के आयोजन के सम्बन्ध में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा. गुप्ता की अध्यक्षता में दीक्षांत सलाहकार समिति और विभिन्न समितियों समन्वयक और उपसमन्वयकों की बैठक प्रशासनिक भवन के गौर समिति कक्ष में संपन्न हुई. बैठक में कुलपति ने विभिन्न समितियों से आयोजन की तैयारियों की प्रगति की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए. दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 14 मार्च 2023 को आयोजित होने वाले विश्वविद्यालय के 31वें दीक्षांत समारोह के लिए 1053 छात्र-छात्राओं ने पंजीकरण कराया है. जो छात्र-छात्राएं दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे उनके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द ही जारी किये जायेंगे. इसके लिए छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाईट का अवलोकन करते रहें. बैठक में विश्वविद्यालय के संकाय मामले के निदेशक प्रो. पी. के. कठल निदेशक-शोध एवं विकास प्रो. हेरेल थॉमस, प्रो. संजय जैन, प्रो. सुबोध जैन, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, प्रो. जी एल पुणताम्बेकर, प्रो. उमेश पाटिल, डॉ. ललित मोहन, कुलसचिव संतोष सोहगौरा, प्रो. वंदना सोनी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. एस. पी. गादेवार तथा विभिन्न समितियों के समन्वयक एवं उपसमन्वयक उपस्थित थे.

एक दिवसीय कार्यशाला हुई

सागर, आचरण। भाषा की समृद्धि में उसके संवाहकों व प्रयोगकर्ताओं की भूमिका महत्वपपूर्ण है। यह बात विश्व विद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में विश्वाविद्यालय के अनुभाग अधिकारियों, सहायक एवं अन्यन लिपिक वर्गीय कर्मचारियों हेतु आयोजित एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला में विषय प्रवर्तक एवं कुलसचिव के रूप में उपस्थित संतोष सोहगौरा ने कही। सोहगौरा ने हिन्दी पत्र लेखन प्रकार एवं प्रयोग विषय पर केन्द्रित अपने व्याख्यान में कार्यालयीन कामकाज से जुड़े विभिन्न रोचक उदाहरणों को समाहित किया। कार्यशाला में प्रतिभागियों ने नोटशीट एवं पत्र लेखन से संबंधित अपनी जिज्ञासाएँ एवं शंकाएँ रखीं जिनका त्वरित निराकरण सोहगौरा द्वारा किया गया।

कार्यशाला में प्रतिभागी के रूप में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में कार्यरत डॉ. उदय श्रीवास्तव, वीरेन्द्र सिंह ठाकुर, मनोज कुमार नामदेव, जटाशंकर शर्मा, उमाशंकर रजक, श्रीमती माया शर्मा, श्रीमती मंजू जैन, श्रीमती लक्ष्मी जाटव, प्रेम सागर गुजरे, अजय कुमार सेवते, अजब सिंह, देवेन्द्र कुमार सिलार, मनोज कुमार कावड़े, गोपाल प्रसाद रोहित, पवन कुमार कोरी, सतीश कुमार सरल, अरूण कुमार सीरोटिया, हर्ष कुमार शाँडिल्य, योगेश नामदेव, राजीव नायक आदि उपस्थित रहे। विशेष सहयोग विनोद रजक एवं सलीम खान का रहा। संचालन अभिषेक सक्सेना ने किया एवं आभार डॉ. उदय श्रीवास्तव ने माना। उल्लेखनीय है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय भारत सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार विश्व विद्यालय में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उदेदश्य से प्रत्येक तिमाही में इस प्रकार की एक कार्यशाला का आयोजन किया जाता है।

आयोजन

प्रो. गिरी की सेवानिवृत्ति पर अभिनंदन समारोह

योग से स्वस्थ विश्व का विकास संभव: गिरी

सागर, आचरण संवाददाता।

हमें सद्गुणों को आत्मसात करना चाहिए क्योंकि मनुष्य मात्र के जीवन का उद्देश्य सुख और आनंद की प्राप्ति है। इस उद्देश्य की पूर्ति में योग का बहुत महत्त्व, पूर्ण स्थान है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हम इस विद्या के विद्यार्थी हैं। योग शरीर, मन, चित्त की शुद्धि करता है जो स्वस्थ समाज राष्ट्र और विश्व के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

उक्त उद्गार शिक्षा अध्ययन शाला के संकायाध्यक्ष एवं योगविभागाध्यक्ष प्रो. गणेश शंकर गिरी ने अपनी सेवानिवृत्ति पर आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए। प्रो. गिरी ने अकादमिक, प्रशासनिक और व्यवस्था में सहयोग हेतु अध्ययन शाला परिवार के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी से अपेक्षा करी कि वे निरंतर इस अध्ययन शाला के उन्नयन और विकास में योगदान दें क्योंकि यह अध्ययन शाला भविष्य के अध्यापकों को तैयार करने वाली संस्था है। नव नियुक्त संकायाध्यक्ष एवं योगविभागाध्यक्ष प्रो. भवतोष इंद्र गुरु ने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि विश्वविद्यालय में अकादमिक और शोध के श्रेष्ठता के मानदण्ड स्थापित करने का दायित्व हम सभी को मिलजुलकर उठाना है। निरंतर प्रगति पथ पर आरूढ़ रहना हमारा उद्देश्य और प्रयास होना चाहिए। उन्होंने प्रो. गिरी को भविष्य में स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना करते हुए अध्ययन शाला एवं योग विभाग के उन्नयन और विकास में अनुभव आधारित सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना की। नव नियुक्त शारीरिक शिक्षा के निदेशक डा. नवीन साठे ने स्वास्थ्य रक्षण में योग, खेलकूद एवं व्यायाम प्रक्रियाओं के महत्व पर प्रकाश डालते हुए स्वास्थ्य के चारों आयामों जैसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं अध्यात्मिक पक्षों द्वारा समग्र विकास की चर्चा की। उन्होंने प्रो गिरी के योग एवं शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

नवनियुक्त विश्वविद्यालयीन योग केन्द्र की कोर्डिनेटर प्रो. अस्मिता गजबिये ने योग में अपने विद्यार्थी काल को याद करते हुए प्रो. जी.एस.गिरी के अनुशासन एव शिक्षण एवं शोध कार्यों की प्रसंशा करते हुए योग में उनके राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पटल पर कार्यों को रेखांकित किया। योग में अनुशासन सिखने से जीवन सुखमय एवं निरोग रहता है। प्रो. गजबिये ने प्रो. गिरी के सुखी एवं स्वस्थ जीवन के साथ साथ योगमय जीवन जीने की कामना की।

विश्वविद्यालयीन ध्यान केन्द्र के कोर्डिनेटर प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने योग शिक्षा विभाग की प्रशंसा करते हुए कहा कि प्रो. जी.एस. गिरी. के 43 वर्षो की शासकीय एवं विश्वविद्यालयीन सेवाओं में से योग शिक्षा विभाग में 38 वर्षो से अधिक समय देने के कारण ही विश्वविद्यालय की छठवीं योग के क्षेत्र में राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय पटल बनी है। प्रो. गिरी विश्वविद्यालय में 33 वर्षों से अधिक ऐतिहासिक रूप से योग विभागाध्यक्ष के रूप में और 15 वर्षो से अधिक शिक्षा अध्यवन शाला के अधिष्ठाता के रूप में सेवाएं दी एवं अनेक अकादमिक, चयन एवं नेक जैसी समितियों के सदस्य रहे। उन्होंने प्रो. गिरी के आयुष मंत्रालय में निदेशक से लेकर अनेक उपलब्धियों को रेखांकित किया एवं उनके सुखद एवं स्वस्थ जीवन की कामना की।

स्वागत भाषण देते हुए योग सहायक प्राध्यापक डॉ. अरूण साव ने कहा कि श्रद्धा, समर्पण त्याग और प्रेम की भावना समाज को प्रगतिशील बनाती है। कार्यक्रम में प्रो. गणेश शंकर से जुड़े डॉ. रश्मि जैन, आयुर्वेदाचार्य डॉ. राजेश शुक्ला, एवं भगत सिंह ने अपने संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ.नितिन कोरपाल ने किया। रोली मिश्रा ने स्वागत नृत्य, छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। योगाभ्यासों का प्रदर्शन प्रज्ञा साव के निर्देशन में विद्यार्थीयों ने किया। प्रियांशी सिंह ने नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर डॉ.सुमन पटेल, महेन्द्र बाथम, डॉ.रविकांत खरे, डॉ.शिखा पटेल, डॉ.नरेश नाथ, डॉ.सारिका शुक्ला, अजय सेन, आदित्य शुक्ला, डॉ.रविशंकर गुरू सहित अनेक शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

अधिष्ठाता नियुक्त होने पर किया सम्मान

सागर, आचरण। शिक्षा शास्त्र विभाग में 28/02/2023 को शैक्षिक अध्ययन शाला के अधिष्ठाता एवं योग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जी. एस. गिरि के सेवानिवृत्त होने पर विदाई समारोह एवं प्रोफ़ेसर बी. आई. गुरू विभागाध्यक्ष अंग्रेजी विभाग के शिक्षाशास्त्र विभाग अधिष्ठाता नियुक्त होने पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शारीरिक शिक्षा विभाग के निदेशक डॉ. विवके साठे, शिक्षा विभाग के आचार्यगण, डॉ. प्रीति वाधवानी, डॉ. धर्मेन्द्र कुमार सर्राफ, डॉ. अभिषेक प्रजापति, डॉ. अरूण साव, डॉ. नितिन कोरपाल, डॉ. सुमन पटेल, डॉ. रमाकान्त, डॉ. शकील खान, श्रीमती अर्पणा श्रीवास्तव, कंचन चौरसिया एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। स्वागत भाषण विभागाध्यक्ष डॉ. रश्मि जैन ने किया। प्रोफेसर जी. एस. गिरी ने भविष्य में विभाग को सहयोग देने की बात कही और विभाग के लिए शुभकामनाएं दी। प्रोफेसर बी. आई. गुरू ने कहा कि विभाग की उन्नति के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनूपी समैया ने एवं आभार डॉ. ए. के. प्रजापति ने किया।

विवि का 31वां दीक्षांत समारोह 14 को, राष्ट्रीय महिला संसद होगी

नवभारत न्यूज

सागर 10 मार्च. डॉ. सर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वा दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित किया जा रहा है. इसके साथ ही त्रिदिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का प्रथम आयोजन भी होने जा रहा है.

विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की उपस्थिति में समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कांगों ने पत्रकारों को बताया कि समारोह के सुचारू संचालन हेतु 19 समितियां गठित की गई हैं. कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होगें. कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ श्रीमती पंकज मित्तल दीक्षांत भाषण देंगी. समारोह में स्नातक के 439, स्नातकोत्तर के 399 और पीएचडी के 28 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की जायेगी. पहली बार 54 मेद्यावी विद्यार्थियों को गोल्ड मेडेल दिया जायेगा.

त्रिदिवसीय संसद के प्रमुख डॉ राकेश सोनी ने बताया कि एआईयू द्वारा प्रथम आयोजन 14 से 16 मार्च तक विवि के अभिमंच सभागार में किया जा रहा है. कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती मित्तल और अध्यक्षता विवि कुलपति प्रो. गुप्ता करेंगी. विशिष्ट अतिथि के रूप में एआईयू के संयुक्त सचिव डॉ बलजीत सिंह सेखो, विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जॉनी, विधायक शैलेंद्र जैन, महापौर श्रीमती संगीता तिवारी उपस्थित रहेगीं. समापन समारोह के मुख्य अतिथि मंत्री भूपेंद्र सिंह होगें. कुलसचिव संतोष सहगौरा ने वार्ता के अंत में आभार व्यक्त किया. संचालन डॉ विवेक जायसवाल ने किया.

समता और समानता की प्रतिश्रुति है सावित्रीबाई फुलेः प्रो नीलिमा गुप्ता

सागर, आचरण। क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले की 126 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र द्वारा स्मरण सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमे विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, छात्र कल्याण अधिष्ठता प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, कुलानुशासक प्रो. चंदा बेन, इतिहास विभाग के प्रो. अशोक अहिरवार, स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. अभिषेक जैन, समाज विज्ञान शिक्षण अधिगम केंद्र के समन्वयक डॉ. संजय शर्मा, डॉ चिट्टी बाबू, डॉ रमाकांत एवं विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी सम्मिलित हुए।

रसायन विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन

सागर, देशबन्धु। 28 फरवरी 2023 को डॉ. हरिसिंह गौर विवि सागर के रसायन विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। 28 फरवरी 1928 को देश के महान वैज्ञानिक सर सी वी रमन जी ने रमन प्रभाव का आविष्कार किया था जिसके लिए सन 1930 में विज्ञान के सर्वोच्च पुरस्कार-नोबेल पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया था। समाज में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने हेतु 28 फरवरी को हर वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है। इसी तारतम्य में डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन विभाग ने भी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया।

अभिव्यक्ति के लिए संवेदना आवश्यक : डॉ. शर्मा

सागर, आचरण। ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति को क्रियान्वित करना एवं विद्यालय में समावेशी शिक्षा को सर्व सुलभ बनाना आप सभी शिक्षकों का महत्वपूर्ण दायित्व है। यह विचार डाइट सागर में आयोजित पांच दिवसीय ब्रेल लिपि एवं सांकेतिक भाषा कि प्रशिक्षण के समापन अवसर पर टीचिंग लर्निंग सेंटर डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के डॉक्टर संजय शर्मा ने व्यक्त किए। जिला परियोजना समन्वयक डॉ गिरीश मिश्रा ने प्रशिक्षित शिक्षकों के कार्यों की सराहना की उन्हें समावेशीत शिक्षा के अंतर्गत होने वाली गतिविधियों में सहभागिता देने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रशिक्षण प्रभारी डॉ प्रवीण गौतम ने प्रशिक्षण के क्रियान्वयन की रूपरेखा एवं किए गए कार्यों का लेखा जोखा प्रस्तुत किया। प्रभारी प्राचार्य डाइट डॉक्टर अनिल पांडे ने की गई विधा के प्रचार प्रसार में योगदान देने के लिए शिक्षकों से अपेक्षा की। वरिष्ठ व्याख्याता डॉ ए के सिंह समावेशी शिक्षा को प्रभावी बनाने हेतु महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिए। प्रशिक्षण को संचालित करने में रिसोर्स पर्सन रविशंकर सोनकर, सुनील कोरी,सरल सराफ , मोहम्मद आरिफ , संध्या पांडे ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस कौशल कार्यशाला में सागर जिले के 70 शिक्षकों ने सहभागिता की।

विश्वविद्यालय में सीबीसीएस परीक्षा केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

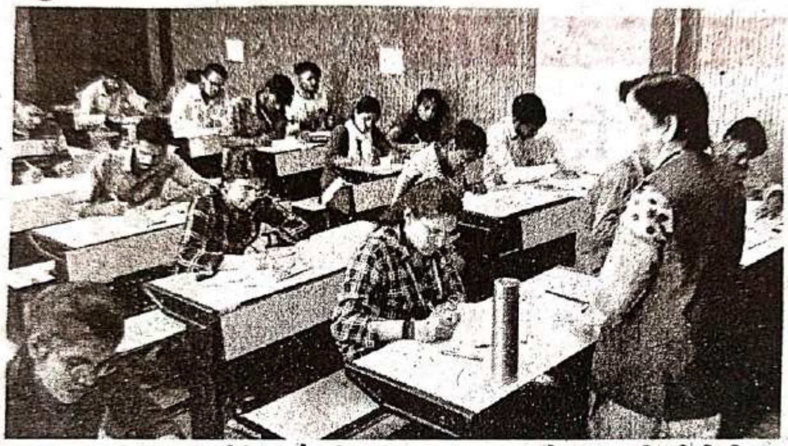

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में चल रही सीबीसीएस की एंड सेमेस्टर की परीक्षाएं विश्वविद्यालय के महर्षि कणाद भवन में आयोजित की जा रही हैं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने महर्षि कणाद भवन पहुँचकर केंद्र का निरीक्षण किया एवं परीक्षा संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा केंद्र की सुविधाओं का भी जायजा लिया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक डॉ एस पी गादेवार, डॉ केशव टेकाम सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

परीक्षा केंद्र का कुलपति ने किया निरीक्षण

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में चल रही सीबीसीएस की एंड सेमेस्टर की परीक्षाएं चल रही हैं। परीक्षा के लिए बनाए केंद्रों का शुक्रवार को कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने निरीक्षण किया एवं परीक्षा संचालन से संबंधित जानकारी ली। उन्होंने परीक्षा केंद्र की सुविधाओं का भी जायजा लिया।

प्रो पीपी सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा आयोजित हुई

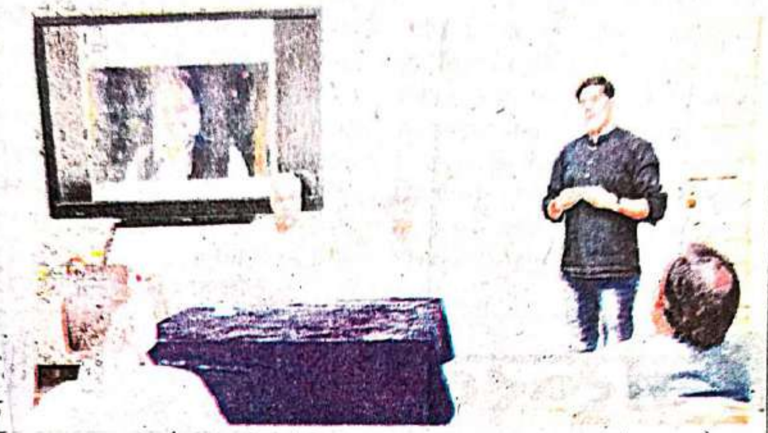

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के पूर्व छात्र तथा पूर्व अध्यापक एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय के प्राध्यापक प्रो. पीपी सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। श्रद्धांजलि के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ ललित मोहन ने पीपी सिंह का संक्षिप्त परिचय उपस्थित लोगों के समक्ष साझा किया। तदोपरांत डॉ राकेश शर्मा ने पीपी सिंह के साथ संस्मरणों को साझा किया एवं विभाग से लेकर भोपाल तक की उनकी यात्रा से संबंधित विभिन्न पक्षों को इस अवसर पर साझा किया। इसके बाद सुबोध ताम्रकार, शैलेन्द्र ठाकुर, पूर्व संसद डॉ आनंद अहिरवार, वीनू राणा, आरएन सिलाकारी, मनीष दुबे, आशीष द्विवेदी, आशीष ज्योतिषी, राकेश उपाध्याय ने भी पी पी सिंह से जुड़े संस्मरणों को साझा किया। इस अवसर पर डॉ शैलेष चौबे, सुधीर त्रिवेदी, गोविंद सरवैया, सुदेश तिवारी, विनोद आर्य, अवनीश जैन एवं अन्य लोगों ने उपस्थित होकर पीपी सिंह को श्रद्धांजलि दी। पत्रकारिता जगत के लिए उनका समर्पण एवं उनका सरल और प्रेमपूर्वक व्यवहार स्मृति मात्र बन कर ना रह जाए इस ओर भी सभा मे उचित कदम उठाए जाने का विचार प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर डॉ अलीम अहमद खान, डॉ विवेक जैसवाल, डॉ संजय शर्मा, भागीरथ यादव, कांता साहू, रामस्वरूप, राजकुमार बचकाइयाँ, गुंजन शुक्ला, चंदन, विभागीय शोधार्थी अविनाश रोहित, अनुष्का तिवारी, सलोनी शर्मा एवं विद्यार्थी आदित्य द्विवेदी उपस्थित रहे। सभा के अंत में उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन धारण कर दिवंगत प्रो पीपी सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा का संचालन डॉ. अलीम अहमद खान द्वारा किया गया।

आयोजन... प्रो. सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा हुई

सागर| डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के संचार एवं पत्रकारिता विभाग के पूर्व अध्यापक प्रो. पीपी सिंह की स्मृति में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। विभागाध्यक्ष डॉ. ललित मोहन ने स्व.सिंह की सागर विश्वविद्यालय से लेकर भोपाल तक की उनकी यात्रा से संबंधित विभिन्न पक्षों को साझा किया। इस दौरान सुबोध ताम्रकार, शैलेंद्र ठाकुर, डॉ. आनंद अहिरवार, वीनू राणा, आरएन सिलाकारी आदि मौजूद रहे।

रसायन विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार आज से

सागर, देशबंधु। विश्वविद्यालय के रसायन विभाग द्वारा 16 मार्च से रिसेंट एडवांसेज इन केमिकल साइंसेज विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में किया जा रहा है। कार्यक्रम के गौर अतिथि एवं कीनोट स्पीकर देश के प्रख्यात वैज्ञानिक प्रो.मानस के.गोरई होंगे। कार्यक्रम में भारत के 20 बड़े वैज्ञानिक शामिल हो रहे हैं। 120 से ज्यादा रिसर्च स्कॉलर्स और विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता करेंगी। संयोजक मंडल में प्रो.रतनेश दास, डॉ.विवेक तिवारी, डॉ.रितु यादव, डॉ.नीरज उपाध्याय, डॉ.पुष्पल घोस, डॉ.के बी जोशी, डॉ.अभिलाषा दुर्गवंशी, डॉ.मिलिंद देशमुख हैं।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल भार्गव होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं।

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। प्रो. कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। पंजीकृत छात्र छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में 12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि 12 एवं 13 मार्च को अपराह्न 3 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छात्र छात्राएं भी भाग लेंगे। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र छात्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया गया है। सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा।

14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छात्र संसद भी करने जा रहा है। हमारे विश्वविद्यालय को प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी।

तैयारी । कुलपति नीलिमा गुप्ता ने मीडिया से चर्चा कर दी आयोजन की जानकारी

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह 14 को

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं।

दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी.

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते है. उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा।

पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

12 एवं 13 मार्च को होगा पूर्वाभ्यास

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च 2023 को अपराह्न 3.00 बजे स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास भी होगा जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगी. दीक्षांत समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा. उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी. साथ में आने वाले व्यक्तियों के लिए भी स्थल का निर्धारण किया ·.या है. सभी को प्रचलित कोविड-19 प्रोटोकॉल के अनुसार मानक प्रक्रिया का पालन करना आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर दिए गये गूगल फॉर्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं. समारोह के सम्बन्ध में जारी दिशा-निर्देशों का सावधानीपूर्वक अवलोकन कर लें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' भी करने जा रहा है. हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी. उन्होंने सभी पत्रकार बंधुओं का अभिनंदन करते हुए सभी कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की. सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव श्री संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ. पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

विवि में पहली बार होगी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद

दीक्षा दिवस समारोह ● डा. हरीसिंह गौर विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 1053 विद्यार्थियों को दी जाएगी उपाधि

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विवि में 31 वें दीक्षा समारोह की तैयारियां शुरू हो गई हैं। विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को बुंदेली पगड़ी पहनाकर विवि के 1053 विद्यार्थियों के लिए अतिथियों द्वारा डिग्री दी जाएगी। वहीं इस दौरान विवि में पहली बार भारतीय विवि संघ नई दिल्ली के तत्वावधान में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया जाएगा। इस तीन दिवसीय आयोजन के लिए विवि परिवसर में नवनिर्मित अभिमंच सभागार में मंच तैयार किया जा रहा है।

दीक्षा दिवस समारोह की जानकारी देती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह के संबंध में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षा समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षा समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षा का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है, क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्य अनुभवों में से एक है।

पगड़ी व सफेद कुर्ता पायजामा होगा ड्रेस कोड

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री (बुंदेली पगड़ी और स्टोल) दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में दी जाएगी। यह सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र (आधार कार्ड, पैन कार्ड इत्यादि) लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षा पोशाक में ही समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

समारोह में 1053 को मिलेगी उपाधि : दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षा समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जाएगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जाएगी। समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय विवि संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल उपस्थित रहेंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

स्वर्ण जयंती सभागार में कल से होगा पूर्वाभ्यास : प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि दिनांक 12 एवं 13 मार्च को दोपहर 3 बजे से विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में समारोह का पूर्वाभ्यास भी होगा, जिसमें पंजीकृत छात्र-छात्राएं भी भाग लेंगे। समारोह में भाग लेने वाले सभी छात्र-छात्राओं को समारोह में निर्धारित स्थान पर बैठना होगा जिसका विवरण उनके प्रवेश-पास पर स्पष्ट रूप से अंकित होगा। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र-छात्राओं को 14 मार्च 2023 को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। समारोह में शामिल होने वाले सभी छात्र-छात्राएं वेबसाइट पर दिए गए गूगल फार्म के माध्यम से अपनी सहभागिता सुनिश्चित करते हुए प्रवेश-पास डाउनलोड कर सकते हैं।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का होगा आयोजन : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि 14 मार्च के दिन ही विवि में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर पहला तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी किया रहा है। इस दौरान देश के कई विवि की छात्राएं भाग लेंगी। उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद के समन्वयक डा. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत की। संचालन मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल ने किया व आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया। इस अवसर पर ईएमआरसी निदेशक डा. पंकज तिवारी, समर्थ दीक्षित, डा. हिमांशु उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को आयोजित होगा। बिवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री होंगे एवं भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्त्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विवि के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विवि में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री बुंदेली पगड़ी और स्टोल 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे एवं 12 मार्च को दोपहर 2 बजे से 5 बजे से बीच विवि के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं। उक्त सामग्री प्राप्त करने के लिए सभी पंजीकृत विद्यार्थियों को अपना प्रवेश पत्र एवं फोटो पहचान पत्र आधार कार्ड पैन कार्ड इत्यादि लाना अनिवार्य होगा। पंजीकृत छात्र छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र छात्राओं को स्वयं करनी होगी। उपाधि प्राप्त करने वाले समस्त छात्र छात्राओं को 14 मार्च को सुबह 10.15 बजे से पहले निर्धारित सीट ग्रहण करनी होगी। पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ.पंकज तिवारी, डॉ.हिमांशु उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, बड़ी संख्या में शामिल होंगे विद्यार्थी

सागर, प्रदेश टाईम्स। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा । विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (द्व) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में 'पत्रकार-वार्ता' में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है. इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं. यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं. दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहते, पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे. इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी. इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी पंजीकृत छात्र-छात्राएं दीक्षांत पोशाक में ही दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे. छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार-कुर्ता निर्धारित किया गया है जिसकी व्यवस्था छात्र-छात्राओं को स्वयं करनी होगी ।14 से 16 मार्च तक होगा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने जानकारी देते हुए कहा कि 14 मार्च के दिन ही विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन 'राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' भी करने जा रहा है. हमारे विश्वविद्यालय को 'प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद' के आयोजन का सौभाग्य मिला है जिसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी. उन्होंने कहा कि यह आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी ।

डॉ. गौर विवि का 31वां दीक्षांत समारोह 14 को

स्वदेश ज्योति संवाददाता, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14मार्च को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया जाएगा ।समारोह में मु य अतिथि मप्र सरकार के मंत्री गोपाल भार्गव एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी।

यह जानकारी शुक्रवार को पत्रकारों से करते हुए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया दीक्षांत समारोह महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के बाद उपाधि लेने छात्र शामिल होते हैं।समारोह के मु य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित 866 छात्र उपाधि दी जाएगी। इसके अलावा 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जायेगी। उपाधि 11 से 13 मार्च तक दी जाएंगी। दीक्षांत समारोह में शामिल होंने वाले छात्रों के लिए ड्रेस कोड सफेद कुर्ता.पायजामा एवं छात्राओं के लिए सफेद सलवार कुर्ता निर्धारित किया गया है, ड्रेस की व्यवस्था छात्र- छात्राओं को स्वयं करनी होगी।

▸ 866 छात्र-छात्राओं को मिलेगी उपाधि

प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया 14 से 16 मार्च तक विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के साथ मिलकर तीन दिवसीय राष्ट्रीय आयोजन राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन होगा। इसमें देश के कई विश्वविद्यालयों की छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी तय करने मील का पत्थर साबित होगी। सांस्कृतिक परिषद् के समन्वयक डॉ. राकेश सोनी ने राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की। पत्रकार वार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ विवेक जयसवाल ने किया। आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना।

विवि का 31वां दीक्षांत समारोह आज, 1053 को मिलेगी डिग्री

पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

[illegible]

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से होगा। समारोह के मुख्य अतिथि पीडब्ल्यूडी मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत भाषण व वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। समारोह में 11 अध्ययनशालाओं में स्नातक के 439, पीजी के 399 एवं पीएचडी के 28 विद्यार्थियों सहित कुल 866 विद्यार्थी उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी जाएगी। इस प्रकार कुल 1053 विद्यार्थियों को उपाधि दी जाएगी। विद्यार्थी बुंदेली पारंपरिक वेश-भूषा में डिग्री प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी [illegible] से किया जाएगा। मंगलवार को ही विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण भी होगा। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मेडल दिए जाएंगे। दीक्षांत समारोह को लेकर सोमवार को स्वर्ण जयंती सभागार में पूर्वाभ्यास हुआ। इसमें कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता सहित ईसी, एसी सदस्य एवं अन्य लोग शामिल हुए। गौर समाधि प्रांगण में दीक्षांत सामग्री का वितरण किया गया।

मिलेट को लेकर विद्यार्थियों को करेंगे जागरुक, जौ-ज्वार के पकवान खाएंगे अतिथि

: दीक्षांत समारोह में शामिल हो रहे अतिथियों को जौ-ज्वार के पकवान भी परोसे जाएंगे। इसके साथ ही रागी, जौ-ज्वार, बाजरा, कुटकी, कोदो भी उन्हें भेंट किया जाएगा। अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष-2023 के विवि के नोडल अधिकारी डॉ. अभिषेक जैन के मुताबिक मोटा अनाज के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से फूड पैकेट के साथ मोटा अनाज के जागरूकता पत्रक भी दिए जाएंगे।

देश में राष्ट्रीय महिला छात्र संसद की मेजबानी करेगा सागर विवि

प्रवेश संवाद सागर

ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन देश में पहली बार होने जा रहा है। खास बात तो यह है कि इस आयोजन की मेजबानी डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय को दी गई है। तीन दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन 14 से 16 मार्च तक किया जाएगा। जिसमें देशभर के विश्वविद्यालयों से छात्राएं भाग लेंगी। आयोजन को लेकर शुक्रवार को पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। इस दौरान आयोजन के प्रभारी डॉ. राकेश सोनी ने जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय महिला छात्र संसद को लेकर देशभर से विश्वविद्यालयों की एंट्री आ रही है। अब तक महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ और असम समेत 15 राज्यों के विश्वविद्यालयों ने सहभागिता सुनिश्चित की है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बताया कि पहली बार आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता के लिए हमने खास तैयारियां की हैं। यूजीसी से गाइडलाइन मिलने के बाद विश्वविद्यालय में एक कृत्रिम संसद भी बनाई जा रही है। कार्यक्रम का उद्घाटन 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल होंगी। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में यूजीसी के संयुक्त सचिव डॉ. बलजीत सिंह, कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी और विधायक शैलेंद्र जैन व महापौर संगीता सुशील तिवारी मौजूद रहेंगे। पत्रकारवार्ता का संचालन डॉ. विवेक जायसवाल ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगौरा ने माना।

दीक्षांत समारोह में 886 को मिलेगी डिग्री

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में 14 मार्च को 31वें दीक्षांत समारोह का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने जानकारी देते हुए बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि मप्र शासन के लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भार्गव होंगे। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल रहेंगी। इस दौरान यूजी के 439, पीजी के 399 और पीएचडी के 28 विद्यार्थी यानी कुल 886 विद्यार्थियों को समारोह के दौरान डिग्री प्रदान की जाएगी। वहीं 187 विद्यार्थियों को डाक द्वारा डिग्री भेजने की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा अलग-अलग स्कूलों के टॉपर 54 विद्यार्थियों को मंच से गोल्ड मेडल दिया जाएगा। इस दौरान कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि सागर विश्वविद्यालय के केंद्रीय बनने के बाद से यह 5वां दीक्षांत समारोह है।

विवि का 31 वाँ दीक्षांत समारोह 14 मार्च को, शामिल होंगे विद्यार्थी

म.प्र. कैबिनेट मंत्री पं.गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

सागर। डा. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च 2023 को आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे।

दीक्षांत समारोह के संबंध में आयोजित में पत्रकार-वार्ता में पत्रकारों बंधुओं को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि दीक्षांत समारोह एक महत्वपूर्ण अकादमिक आयोजन है। इसमें विश्वविद्यालय के विभिन्न पाठ्यक्रमों में अध्ययन करने के पश्चात् अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए इस समारोह में शामिल होते हैं। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष भी बड़ी संख्या में विद्यार्थी अपनी उपाधि ग्रहण करने के लिए दीक्षांत समारोह में सम्मिलित हो रहे हैं। दीक्षांत का आयोजन का एक विद्यार्थी के जीवन में इस रूप में काफी मायने रखता है क्योंकि विश्वविद्यालय में रहतेए पढ़ते और सीखते हुए अपने अनुभवों को समेटना सबसे अन्यतम अनुभवों में से एक है।

11 से 13 मार्च तक होगा सामग्री वितरण

प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि छात्र अपनी डिग्री फाइल और ड्रेस सामग्री ;बुंदेली पगड़ी और स्टोलद्ध दिनांक 11 एवं 13 मार्च को सुबह 11.00 बजे से शाम 4.00 बजे एवं दिनांक 12 मार्च को दोपहर 02 बजे से 05 बजे से बीच विश्वविद्यालय के गौर प्रांगण में प्राप्त कर सकते हैं।

पत्रकारवार्ता का संचालन मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जयसवाल ने किया। आभार ज्ञापन कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने किया। इस अवसर पर इएमआरसी निदेशक डॉ पंकज तिवारी, डॉ हिमांशु एवं शहर के गणमान्य पत्रकार बंधु उपस्थित रहे।

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ दीक्षांत समारोह का रिहर्सल

- गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री
- आज भी होगा रिहर्सल और सामग्री वितरण

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विवि के स्वर्णजयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है। रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। आज भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता पायजामा एवं सलवार कुर्ता एवं विवि द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और जारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

विवि ध्वज के साथ चले अधिकारी और शिक्षक, पूरे कार्यक्रम का हुआ पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह कल : आज भी होगा अभ्यास, डिग्री-सामग्री भी बांटी जाएगी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। इसकी रिहर्सल रविवार को स्वर्ण जयंती सभागार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की मौजूदगी में हुई। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी इसमें शामिल हुए। दीक्षांत समारोह के दौरान विद्यार्थी किस तरह से अपने मेडल लेने आएंगे, जब डिग्री दी जाएंगी तो किसे क्या करना है, कौन अतिथि, अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, विद्यार्थी कहां बैठेगा, इन सभी की रिहर्सल की गई। पूर्वाभ्यास किया गया

सागर। स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की रिहर्सल हुई।

कि दीक्षांत समारोह के दिन किस तरह से अतिथियों के आते ही फोटोग्राफी होगी। प्रोटोकॉल के अनुसार कुलसचिव विवि का ध्वज लेकर चलेंगे। साथ में अतिथि, कुलाधिपति, कुलपति, समारोह के मुख्य समन्वयक, परीक्षा नियंत्रक, शिक्षक, विद्यार्थी प्रतिनिधि आदि चलेंगे। यहां से सभी सीधे स्टेज पर पहुंचेंगे। जहां कुलाधिपति की घोषणा के साथ ही दीक्षांत समारोह विधिवत शुरू हो जाएगा। इसके बाद अन्य गतिविधियां चलेंगी। सोमवार को भी इसी की रिहर्सल की जाएगी। ताकि दीक्षांत समारोह के दिन कोई कमी न रह जाए। या जो कमी है, उसे दूर कर लिया जाए।

बुंदेली पगड़ी, स्टॉल के साथ डिग्री का वितरण : दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया गया। सोमवार को भी सुबह 11 से शाम 4 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी अपना एंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सभी विद्यार्थी निर्धारित समय पर पहुंचे।

विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज

बुन्देली वेश-भूषा में विद्यार्थी प्राप्त करेंगे उपाधि, मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विवि का 31वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री होंगे एवं भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ.पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी करेंगे। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययन शालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। दीक्षांत समारोह के आरंभ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे। पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र-छात्राओं के

दीक्षांत पोशाक बुन्देली पगड़ी और स्टोल का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया। इसी स्थल पर विद्यार्थियों ने अपनी डिग्री फाइल भी प्राप्त की। विवि के अभिमंच सभागार में 14 मार्च को दोपहर 2 बजे से भारतीय विवि संघ, नई दिल्ली एआईयू के तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का भी शुभारम्भ होगा। उक्त कार्यक्रम में देश के कई विवि की छात्राएं प्रतिभागिता करेंगी। देश में पहली बार महिला छात्र संसद का आयोजन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

आयोजन

म.प्र. कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव होंगे मुख्य अतिथि, भारतीय विवि संघ की महासचिव डॉ. मित्तल होंगी विशिष्ट अतिथि

विश्वविद्यालय का 31 वाँ दीक्षांत समारोह आज, कार्यक्रम होंगे

सागर, आचरण संवाददाता।

[illegible] डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह आज विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। विशिष्ट अतिथि डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल का दीक्षांत भाषण होगा। [illegible]

करेंगे। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएच.डी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को 'इन अब्सेंशिया' उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी।

यूट्यूब पर होगा दीक्षांत समारोह का लाइव प्रसारण

समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह के सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया जाएगा, यूट्यूब चैनल की लिंक विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई है। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, [illegible] अधिकारियों, विद्यार्थियों, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिनिधियों एवं मीडियाकर्मी बंधुओं को आमंत्रित किया गया है।

नवीन बालक छात्रावास का भी होगा लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथि गौर समाधि पर पुष्पांजलि देंगे, पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात सभी गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न होगा।

दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। मेडल पाने वाले विद्यार्थियों की स्वर्ण जयन्ती सभागार में बैठक व्यवस्था निर्धारित की गई है। यूजी, पीजी और पीएचडी उपाधि पाने वाले छात्र-छात्राएं छुट्टे पास पर निर्धारित बैठक व्यवस्था के अनुसार समय पूर्व निर्धारित स्थान ग्रहण कर लें, उपाधि पाने वाले सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित परिधान (छात्र, सफेद कुर्ता-पायजामा एवं छात्राएं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये बुन्देली पगड़ी एवं स्टोल में ही सम्मिलित होंगे।

एनसीसी कैडेट्स करेंगे बैठक व्यवस्था में सहयोग

दीक्षांत समारोह आयोजन में सहयोग के लिए विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने भी पूर्वाभ्यास में भाग लिया, पूरे कार्यक्रम के दौरान एनसीसी और अनुशासन समिति के सदस्य विभिन्न स्थानों पर अनुशासन एवं सहयोग के लिए अपनी भूमिका का निर्वहन करेंगे।

मैडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की।

कुलपति, कार्यपरिषद व विद्यापरिषद सदस्यों सहित मेडल पाने वाले विद्यार्थियों ने किया पूर्वाभ्यास

केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह आज

1053 छात्र-छात्राओं को प्रदान की जाएगी उपाधि

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह आज विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में सुबह 10.30 बजे से आयोजित होगा। इस दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग मंत्री गोपाल भार्गव होंगे एवं भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगी। समारोह में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगी। दीक्षांत समारोह में सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं स्नातक के 439, पीजी 399 एवं पीएचडी. के 28 छात्रों सहित कुल 866 छात्र उपस्थित होकर उपाधि प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि प्रदान की जायेगी। इस प्रकार कुल 1053 छात्रों को उपाधि प्रदान की जायेगी। समारोह में समस्त विद्यार्थी बुन्देली पारंपरिक वेश भूषा में अपनी उपाधियां प्राप्त करेंगे। दीक्षांत समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा मेडल प्रदान किया जाएगा। उपाधि पाने वाले सभी छात्र छात्राएं निर्धारित परिधान एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान किये बुन्देली पगड़ी एवं स्टोल में ही सम्मिलित होंगे। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अधिकारियों ने विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पूर्वाभ्यास में भाग लिया और विद्वत शोभायात्रा सहित मेडल प्रदान किये जाने की पूरी प्रक्रिया के संचालन का पूर्वाभ्यास किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, कार्यपरिषद सदस्यों एवं विद्यापरिषद के सदस्यों ने भी पूर्वाभ्यास में सहभागिता की। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले समस्त छात्र छात्राओं के दीक्षांत पोशाक का वितरण गौर समाधि प्रांगण से किया गया।

विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में हुई दीक्षांत समारोह की रिहर्सल

गौर प्रांगण में ली विद्यार्थियों ने डिग्री और दीक्षांत सामग्री

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। इसकी पूर्व तैयारी जोरों पर है। रविवार को अपराह्न 03 बजे से स्वर्ण जयंती सभागार में दीक्षांत समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित रहीं। विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं शिक्षक सदस्य, आयोजन समिति के सदस्य, अधिकारी एवं कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 04 बजे तक दीक्षांत सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी एंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। दीक्षान्त समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र छात्राओं को निर्धारित परिधान कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुंचे और ज़ारी किए गए दिशा निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता थी उपस्थित

दीक्षा समारोह की शोभायात्रा किया पूर्वाभ्यास, आज वितरित होगी सामग्री

दीक्षा समारोह की पूर्व रिहर्सल के दौरान विद्यार्थियों ने पगड़ी पहनकर अन्य तैयारी की। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के 31 वें दीक्षा समारोह में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम की पूर्व तैयारी जोरों पर है। स्वर्ण जयंती सभागार में रविवार को दीक्षा समारोह की शोभा यात्रा के पूर्वाभ्यास में विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता उपस्थित थी।

दीक्षा समारोह में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टोल और उनकी डिग्री फाइल का वितरण गौर प्रांगण से किया जा रहा है। 13 मार्च को भी सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक दीक्षा सामग्री का वितरण किया जाएगा। विद्यार्थी निर्देशानुसार अपनी इंट्री पास और पहचान पत्र दिखाकर सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

दीक्षा समारोह के मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कानगो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त बुंदेली पगड़ी, स्टोल में आना अनिवार्य है। सभी छात्र-छात्राएं निर्धारित समय पर समारोह स्थल पर पहुँचे और जारी किए गए दिशा-निर्देशों का पालन करें ताकि उन्हें कोई असुविधा न हो।

इस दौरान विश्वविद्यालय के कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा मौजूद थे।

विद्यार्थियों को दी पगड़ी, स्टॉल व उपाधि, सोमवार को अंतिम रिहर्सल

स्वर्ण जयंती सभागार में हुआ विवि के दीक्षांत समारोह का पूर्वाभ्यास

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉक्टर हरि सिंह गौर विश्वविद्यालय का 31 वां दीक्षांत समारोह 14 मार्च को स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। रविवार को आयोजन से पूर्व पूर्वाभ्यास किया गया। दोपहर 3 बजे समारोह की शोभायात्रा में कुलपति भी मौजूद रहीं। दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले विद्यार्थियों को बुंदेली पगड़ी, स्टॉल और उपाधि का वितरण गौर प्रांगण से किया गया।

सोमवार 13 मार्च को सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे के बीच समारोह का अंतिम पूर्वाभ्यास किया जाएगा। मुख्य समन्वयक प्रो नवीन कान्गो ने बताया कि समारोह में सम्मिलित होने वाले सभी छात्र-छात्राओं को निर्धारित परिधान (कुर्ता-पायजामा एवं सलवार-कुर्ता) एवं विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध बुंदेली पगड़ी, स्टॉल में निर्धारित समय से पूर्व सभागार में तय स्थान पर बैठना होगा। पूर्वाभ्यास के मौके पर कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद के सदस्य, कुलसचिव संतोष सोहगौरा एवं प्राध्यापक, आयोजन समिति सदस्य, अधिकारी और विद्यार्थी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

बुंदेली वेश-भूषा में प्राप्त की उपाधि

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, मंत्री लोक निर्माण विभाग कुटीर और ग्रामीण उद्योग ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और भाषण दिया। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की [illegible] गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त की। [illegible]

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें: कुलपति प्रो. गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विवि द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

इसके बाद विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु: डॉ मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएं बढ़ रही है। वे लाइफ लॉग लर्नर बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

समारोह का यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (हू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारम्भ निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु - डॉ. पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (हू) की महासचिव डॉ (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएं बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है-गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें.

विश्वविद्यालय ध्वज के साथ हुआ दीक्षांत शोभायात्रा का आगमन

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के माननीय सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए. शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे.

54 विद्यार्थियों को मिले मेडल, 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को मिली उपाधि

दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं.

गौर समाधि पर पुष्पांजलि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ.

एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया. कार्यक्रम के दौरान विभिन्न स्थानों पर मौजूद रहकर वे अनुशासन एवं सहयोग में तत्पर दिखे. विश्वविद्यालय के प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी सुरक्षा एवं अनुशासन में सहयोग प्रदान किया. जिला प्रशासन के अधिकारियों ने भी आयोजन में सहयोग किया. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया.

दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. उन्होंने सभी अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन भी किया. सम्पूर्ण कार्यक्रम का लाइव प्रसारण विश्वविद्यालय के ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया. कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिनिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे.

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव कैबिनेट मंत्री ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विवि संघ नई दिल्ली एआईयू की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की। अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है। समारोह की विशिष्ट अतिथि डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विवि को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पांच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विवि की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। मुख्य अतिथि मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विवि में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। मेरी इस विवि से जुडी कई स्मृतियां हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त कीं।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु

दीक्षा समारोह ● बुंदेली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों को प्रदान की गई उपाधि, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षा समारोह मंगलवार को विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को बुंदेली वेशभूषा पगड़ी व सफेद कुर्ता पायजामा में उपाधि दी गई, जिसे पाकर विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस दौरान विवि परिसर में छात्रावास का लोकार्पण भी किया गया। वहीं समारोह में मुख्य अतिथि लोक निर्माण विभाग मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षा समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों। विवि भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। उन्होंने कहा कि डा. गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विवि में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। *नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है।*

शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है : डा. मित्तल: समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विवि संघ की महासचिव डा. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्हीं कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हें अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आइआइटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डा. गौर विवि का भी योगदान रहेगा।

कार्यक्रम के दौरान शोभायात्रा निकाली गई जिसमें शामिल अतिथि विद्यार्थियों के बीच से होते हुए मंच तक पहुंचे। ● नवदुनिया

दीक्षा समारोह मे उपाधि मिलने के बाद उत्साह मनाते छात्र-छात्राएं। ● नवदुनिया

कार्यक्रम मे विद्यार्थियो को मेडल पहनाकर उपाधि देती हुई अतिथि। ● नवदुनिया

दीक्षा विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है : भार्गव

मुख्य अतिथि लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने आनलाइन कार्यक्रम मे जुड़ते हुए कहा कि हम सबका छात्र जीवन डा. गौर विवि मे बीता है। मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियां है। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन मे आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा मे संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरंभ करें। डा. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दे।

शोभायात्रा निकली, विद्यार्थियों को बांटे मेडल: समारोह में विवि ध्वज के साथ दीक्षा शोभायात्रा का स्वर्ण जयंती सभागार में आगमन हुआ।

शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। इसके बाद समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल दिया। समारोह में समस्त *विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-*भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियां प्राप्त की। इसके पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद सभी अतिथियों ने विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया।

समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया। इस दौरान मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो थे व संचालन डा. आशुतोष ने किया।

- दीक्षा समारोह में विवि के एनसीसी कैडेट्स ने सहयोग किया
- 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी व पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी

विद्यार्थी चेतना व संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि डा. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विवि निरंतर प्रगति कर रहा है। *विवि अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार* श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है। विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं ने स्वीकृत की है। शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल करके विवि को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है। उन्होंने कहा कि हम एक श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनाएंगे।

कार्यक्रम । बुन्देली पारंपरिक वेशभूषा में विद्यार्थियों ने प्राप्त की उपाधि, समारोह का यूट्यूब पर हुआ लाइव प्रसारण

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, नवनिर्मित बालक छात्रावास का हुआ लोकार्पण

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि गोपाल भार्गव, कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्य पालन का संकल्प लेकर कार्य करें : कुलाधिपति प्रो. जानी

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारम्भ निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की। आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है।

भारत बनेगा विश्वगुरुः डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉंग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई है. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं।

सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये है और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया।

दीक्षांत विद्यार्थी के जीवन का गौरवशाली क्षण होता है: गोपाल भार्गव

मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश सरकार के लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है. इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है. मेरी इस विश्वविद्यालय से जुड़ी कई स्मृतियाँ हैं. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें. डॉ. गौर के सपनों को साकार करने के लिए हम सबका कर्तव्य है कि हम सभी देश को एक नई दिशा दें। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए।

शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे। दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया. समारोह में समस्त विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं। दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. इसके बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास के शिलापट्ट के अनावरण के साथ लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. दीक्षांत समारोह के पूरे आयोजन में विश्वविद्यालय के एनसीसी कैडेट्स ने अभूतपूर्व सहयोग किया। कार्यक्रम में सागर शहर के गणमान्य नागरिक सहित विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त शिक्षकगण, सेवारत शिक्षक, अधिकारी, जिला प्रशासन के विभिन्न पदाधिकारी, विद्यार्थी, प्रबुद्ध नागरिकगण, सम्माननीय जनप्रतिनिधि एवं मीडियाकर्मी बंधु उपस्थित रहे।

स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ 31वां दीक्षांत समारोह, महिला छात्र संसद भी सजी

दीक्षांत समारोह में उपाधि लेकर हर्ष से झूमे विद्यार्थी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. केंद्रीय विश्वविद्यालय के स्वर्णजयंती सभागार में मंगलवार को 31वें दीक्षांत समारोह का मौका था। विद्यार्थी अपने अध्ययन- शोध के लिए उपाधि मिलने से गौरवान्वित और हर्षित थे। खुशी के इस पल को दोगुना करने वाली सांस्कृतिक घटना भी परिसर में हुई। अवसर देश की पहली महिला छात्र संसद का था। विवि परिसर में लोकसभा की तर्ज पर सजे अभिमंच सभागार में जनप्रतिनिधियों के रूप में देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों से आई छात्राएं तैयार थीं।

सभागार में बैठे हर व्यक्ति को अनुभूति भी बिलकुल वैसी ही हो रही थी जैसी लोकसभा की कार्यवाई को वे अपने सामने प्रत्यक्ष देख रहे हों। स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार सुबह 10 बजे तक 31वें दीक्षांत समारोह में शामिल होकर उपाधि लेने बुंदेली परिधान में सजे विद्यार्थी पहुच चुके थे। मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव आयोजन में ऑनलाइन शामिल हुए। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ.पंकज मित्तल, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता और कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने उत्कृष्ट विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान कीं। इस मौके पर 1053 विद्यार्थियों को उपाधि और मेडल प्रदान किए गए। जिनमें सीबीसीएस प्रणाली के 11 अध्ययनशालाओं के 439 स्नातक, 399 स्नातकोत्तर, 28 शोध छात्रों सहित 866 को मंच से उपाधियां मिली जबकि 187 विद्यार्थियों को इन अब्सेंशिया उपाधि दी गई। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने स्वागत भाषण और वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की

उपाधि मिलने पर खुशी मनाते मेधावी विद्यार्थी

सागर. कार्यक्रम को संबोधित करते अतिथि।

महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है। हमारा भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है।

सदन के रूप में नजर आया अभिमंच सभागार

दीक्षांत समारोह के अवसर पर विश्वद्यालय और भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का आयोजन भी अनूठा रहा। पहले दिन सदन की कार्रवाई से पहले अतिथियों ने देवी सरस्वती और डॉ.हरि सिंह गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलन किया। सांस्कृति परिषद के समन्वयक डॉ.राकेश सोनी ने स्वागत भाषण पढ़ा तो कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विवि की गतिविधियों से अवगत कराया। मुख्य अतिथि एआइयू महासचिव डॉ.पंकज मित्तल ने छात्राओं को पूरी क्षमता से आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा 97 साल में महिला छात्र संसद का यह पहला आयोजन है। महिलाओं को स्वयं के प्रति सोच बदलनी होगी क्योंकि वे स्वयं को कम आंकती है। किसी इंजीनियर- डॉक्टर के बारे में सोचो तो पुरुष का चेहरा सामने आता है। ऐसा केवल सोच की वजह से है। देश में 75 साल तक सुप्रीम कोर्ट में कोई महिला चीफ जस्टिस नहीं बनी। देश में 1100 विश्वविद्यालय है, लेकिन केवल 68 में ही महिला कुलपति हैं। अनुपात में देखें तो परीक्षा परिणामों में अव्वल छात्राएं रहती है। गोल्ड मेडल पाने में वे आगे है, लेकिन जब सर्वोच्च पदों पर पहुंचने की बारी आती है तो ये टॉपर कहां चली जाती है। 2019 में लोकसभा में केवल 700 महिलाओं ने चुनाव लड़ा और 11 प्रतिशत जीतकर अपने क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। अनुपात में यह संख्या पुरुषों से दोगुना है, लेकिन फिर भी महिलाओं को अवसर नहीं मिलता। पहली महिला छात्र संसद के आयोजन का उद्देश्य यही है कि महिलाएं स्वयं का सही आकलन करें।

कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विवि में देश के पहले राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के आयोजन का दायित्व मिलने पर खुशी जताई और एआईयू का आभार माना। कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने विवि के संस्थापक डॉ.हरिसिंह गौर के महिला सशक्तिकरण की दिशा में किए गए कार्यों को याद किया। उन्होंने कहा डॉ. गौर ने महिलाओं को अधिवक्ता बनने का अधिकार दिलाया। विवाह में महिलाओं की स्वीकृति और अंतरजातीय विवाह के लिए एक्ट बनाया। वर्षों से चली आ रही दासी प्रथा से महिलाओं को मुक्ति दिलाई। वे हमेशा नारी कल्याण के लिए चिंतित रहे। इसलिए विवि में हो रही महिला छात्र संसद सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज होने वाली घटना है जिसके साक्षी हम सब बने हैं।

राष्ट्रगान के साथ शुरू हुई महिला छात्र संसद

दृश्य : अभिमंच सभागार के मंच पर अभिभाषण के बाद सदन की आसंदी पर सभापति की मौजूदगी

प्रधानमंत्री के रूप में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय की छात्रा संकल्प पढ़ते हुए - हर व्यक्ति का अपना घर हो यह संकल्प हमारी सरकार का है। संकल्प जरूर पूरा होगा। 2025 तक सभी को घर उपलब्ध कराएंगे। इसका क्रियान्वयन नेक नियत से किया है। घर एक संस्कार से बनता है। अपने संबोधन के अंत में पंक्ति 'हादसों की जद में हैं तो क्या मुस्कुराना छोड़ दें, जलजलों के खौफ से क्या घर बनाना छोड़ दें' पढ़ी।

विपक्ष की नेता : (अवधेश प्रतापसिंह विश्वविद्यालय की छात्रा सौम्या विश्वकर्मा) सभापति महोदय, प्रधानमंत्री आवास योजना केवल जनता को भावनात्मक रूप से गुमराह करने वाली योजना है। योजना के लिए जितनी जगह निर्धारित है क्या उसमें एक परिवार रह सकता है। जो राशि तय है क्या उसमें गुणवत्ता के साथ काम हो सकता है।

पक्ष : पंजाब की लवली यूनिवर्सिटी की छात्रा (योजना का समर्थन करते हुए) माननीय, विपक्ष तो योजना को लेकर जनता को भ्रमित कर रहा है जबकि हकीकत कुछ और है। उन्होंने कई राज्यों में आवास मिलने से लोगों के जीवन मे आए बदलाव के उदाहरण प्रस्तुत किए।

विपक्ष : (डॉ. हरिसिंह गौर विवि की छात्रा खुशी सलूजा) योजना की खामियों पर ध्यान आकर्षित करते हुए शेर पढ़ा। उन्होंने कहा योजना केवल सपने दिखाने वाली है। यदि वास्तव में लोगों को आवास उपलब्ध कराना है तो इसमें सुधार की जरूरत है।

भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा विवि

विवि के 31वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति जानी ने कहा, श्रेष्ठ विवि के रूप में अपनी पहचान बनायेगा विवि :कुलपति

नवभारत न्यूज

सागर 14 मार्च. डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया.

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षांत समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है. विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है.

उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. मुख्य अतिथि लोनिवि मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो से संदेश दिया. समारोह में विवि ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ. दीक्षांत समारोह में शामिल सभी 11 अध्ययनशालाओं के यूजीए पीजी और पी.एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई. इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई. विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया.

दीक्षांत समारोह के आरम्भ होने से पूर्व अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी. एनसीसी कैडेट्स ने किया सहयोग

दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और उपाधि प्रदान किये जाने की समस्त कार्रवाई कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने संपन्न कराई. मुख्य समन्वयक प्रो. नवीन कानगो, वरिष्ठ शिक्षक प्रो. पी कठल सहित सभी समन्वयकों एवं उनकी टीम ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान किया.

बदलते जमाने का अखबार
पीपुल्स समाचार

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न, छात्रों में रहा उत्साह

डॉ. सर हरीसिंह गौर यूनिवर्सिटी के छात्रों ने बुंदेली वेशभूषा में ली उपाधि

पीपुल्स संवाददाता ● सागर
मो.नं. 9826021098

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी उनकी कामना है।

विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तार पूर्वक बताया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें।

मुख्य अतिथि लोक निर्माण, कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इस कारण उनका आत्मीय लगाव है। उनकी इस विश्वविद्यालय से जुडी कई स्मृतियाँ हैं। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दीं।

समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ।

दीक्षांत समारोह में 11 अध्ययनशालाओं के यूजी, पीजी और पीएचडी के विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गई। इसके अतिरिक्त पंजीकृत विद्यार्थियों को उनकी अनुपस्थिति में भी डिग्री प्रदान की गई। विभिन पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मंचासीन अतिथियों ने मेडल भी प्रदान किया। समारोह में विद्यार्थियों ने बुन्देली पारंपरिक वेश-भूषा में उपस्थित रहकर उपाधियाँ प्राप्त कीं।

इसके पूर्व गणमान्य अतिथियों ने विवि के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। समारोह में एनसीसी कैडेट्स प्रोक्टोरियल बोर्ड एवं सुरक्षा विभाग का सहयोग रहा। संचालन डॉ. आशुतोष ने किया।

विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह संपन्न

प्रदेश टाइम्स ➔ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया. दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि श्री गोपाल भार्गव, माननीय कैबिनेट मंत्री, लोक निर्माण विभाग, कुटीर और ग्रामीण उद्योग, म.प्र. सरकार ने वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया. भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (डू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और दीक्षांत भाषण दिया. विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य के साथ ही वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया. समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने की. अतिथियों द्वारा डॉ. गौर और ज्ञान की देवी सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई.

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें - कुलाधिपति प्रो. जानी : समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि दीक्षान्त समारोह में उपाधि और पदक प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थी राष्ट्रप्रेम को सर्वोच्च स्थान देते हुए भारत के निर्माण में संलग्न हों, ऐसी मेरी कामना है. विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। उन्होंने कहा की भारतीय मेधा को बढ़ाने में भारतीय आहार भी अपनी भूमिका निभाते है। उन्होंने कहा कि दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रारूप निर्माण के लिए डॉ हरीसिंह गौर को उनकी भारतीय सोच के लिए चुना गया था। प्रो. जानी ने डॉ. गौर के विकट जीवन

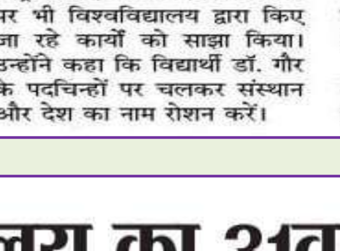

संघर्षों को याद करते हुए बताया कि डॉ गौर ने ज्ञान को मनुष्य के उन्नति का मूल और भाषा को साधन मानते हुए अपने द्वारा स्थापित विश्वविद्यालय में भारतीय भाषाओं के अध्ययन-अध्यापन के केंद्र की शुरुआत की. आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतरअनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से राष्ट्र एवं भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति प्रतिबद्ध रहने का अनुरोध किया जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु- डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल : समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली (डू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल ने मेडल और उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दी. उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर विश्वविद्यालय को बधाई दी। उन्होंने विश्वविद्यालय के सर्वांगीण विकास के लिए बधाई देते हुए कहा

कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने पाँच आयामों की चर्चा करते हुए विद्यार्थियों को उनके आने वाले समय के अवसरों से परिचित करवाया। उन्होंने कहा कि यह अवसर इसलिए खास है क्योंकि अमृतकाल महोत्सव मनाया जा रहा है इसके साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 क्रियान्वित हो रही है। डिजिटल शिक्षा भी आगे बढ़ रही है और इसके साथ ही भारत जी20 की अध्यक्षता भी कर रहा है। विद्यार्थियों की भी आकांक्षाएँ बढ़ रही है. वे 'लाइफ लॉग लर्नर' बनने के साथ एक अच्छे इंसान भी बनने के लिए प्रेरित हैं। इन सभी बिंदुओं के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने शिक्षा नीति में नई तकनीक के साथ शिक्षा के पाठ्यक्रम मे बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को भी अपनी भूमिका में बदलाव लाने की जरूरत है। एक शिक्षक शिक्षा में सहायक के रूप में काम करेगा। डिजिटल कक्षाओं के संचालन से विद्यार्थी उन्ही कोर्स को पढ़ेंगे जिसमें उन्हे अच्छे शिक्षक पढ़ाएंगे। डिजिटल शिक्षा में अपनी सुविधा अनुसार विद्यार्थी आईआईटी के प्रोफेसर से पढ़ सकते हैं इसलिए शिक्षक को अपने पढ़ाने की भूमिका पर विशेष रूप से ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा।

विश्वविद्यालय के विद्यार्थी चेतना और संवेदना के ध्वजवाहक बनें- कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता : विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया. उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है. विश्वविद्यालय अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है. विज्ञान और समाज विज्ञान के शिक्षकों को कई शोध परियोजनाएं अनुदान प्रदान करने वाली संस्थाओं द्वारा स्वीकृत की गई हैं. शिक्षकों एवं शोधार्थियों ने कई अवार्ड हासिल किये हैं. सांस्कृतिक परिषद् के माध्यम से विद्यार्थियों ने कई पुरस्कार हासिल किये हैं और विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति दिलाई है. उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा प्रारम्भ किये गए नए पाठ्यक्रमों, नवीन भवनों और नवाचारी गतिविधियों की जानकारी विस्तारपूर्वक साझा की. विश्वविद्यालय की उपलब्धियों के साथ उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर भी विश्वविद्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों को साझा किया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम एक श्रेष्ठ विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान बनायेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मानक स्थापित करेंगे. उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामना देते हुए कहा कि विद्यार्थी डॉ. गौर के पदचिन्हों पर चलकर संस्थान और देश का नाम रोशन करें.

31वां दीक्षांत समारोह: डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में संपन्न हुआ

11 अध्ययनशालाओं के 54 स्टूडेंट विश्वविद्यालय पदक से हुए सम्मानित, समारोह में 886 विद्यार्थियों को मिली डिग्री

प्रवेश संवाद ❋ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर का 31वां दीक्षांत समारोह विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित किया गया। इस दौरान 886 विद्यार्थियों को डिग्री दी गई। वहीं 11 अध्ययनशालाओं के 54 विद्यार्थी मेडल से सम्मानित हुए। समारोह में विश्वविद्यालय ध्वज के साथ दीक्षांत शोभायात्रा का स्वर्ण जयन्ती सभागार में आगमन हुआ। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंत शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, मुख्य अतिथि एवं विश्वविद्यालय कार्यपरिषद एवं विद्यापरिषद् के सदस्य इस शोभायात्रा में सम्मिलित हुए। शोभायात्रा में कुलसचिव संतोष सोहगौरा ध्वजवाहक रहे।

दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि लोकनिर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने वीडियो संदेश के माध्यम से विद्यार्थियों को संबोधित किया। मंत्री गोपाल भार्गव ने कहा कि हम सबका छात्र जीवन डॉ. गौर विश्वविद्यालय में बीता है। इसलिए मेरा आत्मीय लगाव है। उन्होंने पदक और डिग्री प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन में आगे बढ़ें और राष्ट्र की सेवा में संलग्न होने का संकल्प लेकर कार्य करना आरम्भ करें। कार्यक्रम के दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल उपस्थित रहीं।

राष्ट्र के प्रति कर्तव्यपालन का संकल्प लेकर कार्य करें: कुलाधिपति

समारोह की अध्यक्षता करते हुए कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय दृष्टिकोण से विकास कर रहा है। सभागार में मौजूद विद्यार्थियों की पोशाक के माध्यम से बुन्देली अस्मिता के साथ भारतीय अस्मिता को स्थान मिला है। प्रो. जानी ने कहा कि आज नई शिक्षा नीति में प्राथमिक स्तर पर भी भाषा की बात की जा रही है। नई शिक्षा नीति अंतर अनुशासनिक पद्धति से सर्वांगीण विकास की तरफ विद्यार्थियों को अग्रसर करती है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विश्वविद्यालय की प्रगति यात्रा को विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने कहा कि डॉ. गौर के संकल्पों और आदर्शों पर चलकर यह विश्वविद्यालय निरंतर प्रगति कर रहा है। विश्वविद्यालय शैक्षणिक गतिविधियों से लगातार श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहा है।

शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन से भारत बनेगा विश्वगुरु: डॉ. मित्तल

समारोह की विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने कहा कि सांस्कृतिक गतिविधि से लेकर मूक कोर्स के निर्माण तक विवि हर क्षेत्र में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन में भारत विश्वगुरु बन सकता है और उसे विश्वगुरु बनाने में डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का भी योगदान रहेगा। दीक्षांत समारोह के पूर्व गणमान्य अतिथियों ने गौर समाधि पर पुष्पांजलि दी। इसके बाद सभी अतिथियों ने विश्वविद्यालय के नवनिर्मित बालक छात्रावास का लोकार्पण किया। दीक्षांत समारोह का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया और आभार प्रभारी कुलसचिव डॉ. संतोष सोहगौरा ने माना। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण ईएमआरसी सागर के यूट्यूब चैनल से किया गया।

दैनिक भास्कर सागर, बुधवार 15 मार्च, 2023

बुदेलखंड की पारंपरिक वेशभूषा में लिए मेडल, यूजी, पीजी की उपाधि भी दी गईं

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय का 31वां दीक्षांत समारोह स्वर्ण जयंती सभागार में मंगलवार को आयोजित किया गया। इसमें अलग-अलग पाठ्यक्रमों में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाले 54 विद्यार्थियों को मेडल व सभी 11 अध्ययन शालाओं के यूजी, पीजी और पी-एचडी के विद्यार्थियों को उपाधि दी गई। मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री गोपाल भार्गव रहे। विशिष्ट अतिथि भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. पंकज मित्तल रहीं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत के साथ ही सालाना रिपोर्ट दी। समारोह में सभी विद्यार्थी बुंदेलखंड की पारंपरिक वेश-भूषा में शामिल हुए।

आयोजन

महिला सशक्तिकरण की दिशा में सकारात्मक पहल है महिला छात्र संसद : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

महिलाओं में क्षमता बहुत होती है बस उन्हें उचित अवसर मिले: मित्तल

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के उद्घाटन सत्र में ज्ञान की देवी सरस्वती एवं डॉ गौर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की गई। पुष्पगुच्छ से अतिथियों के स्वागत के साथ उद्घाटन सत्र की शुरुआत हुई।

उद्घाटन सत्र मे स्वागत भाषण डॉ. राकेश सोनी, समन्वयक सांस्कृतिक परिषद् ने दिया। उन्होंने कहा कि यह सभी विद्यार्थियों के ही प्रयास से सफल हो रहा है। उन्होंने कहा कि विवि में पहली बार इस तरह का आयोजन हो रहा है और सौभाग्य है कि दोनों ही संस्थाओं की मुखिया महिलायें ही हैं। यह संसद आगामी समय में देश के लिए सफल नेता प्रदान कर सकता है।

महिलाओं को स्वयं को देखने का नजरिया बदलें, नजारा अपने आप बदल जाएगा: डॉ. मित्तल

भारतीय विश्वविद्यालय संघ की महासचिव डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल ने कहा कि आज सभी छात्राएं आज यहां इतिहास बना रही हैं। 97 साल के AIU द्वारा ये पहला आयोजन है जिसमें पहली महिला छात्र संसद आयोजित की जा रही है। इस आयोजन के उद्देश्य को बताते हुए उन्होंने महिलाओं को उचित अवसर न मिलने के उदाहरण साझा किए और इसके साथ ही महिलाओं द्वारा अपने लिये स्वयं अवसर बनाने के भी किस्से बताए और कहा कि छात्राओं और महिलाओं को यह अवसर प्राप्त होना चाहिए जिससे वह नेतृत्व में आगे आएं। उन्होंने कहा कि पुरुषों से ज्यादा महिलाएं आगे है फिर भी संसदीय नेतृत्व के लिए महिलाओं की संख्या आगे नहीं बढ़ रही है। महिला छात्र संसद द्वारा यह संख्या भविष्य में बढ़ेगी। उन्होंने महिलाओं को स्वयं के प्रति व्यवहार और पूर्वाग्रह को बदलने के लिए जरूरत जाहिर की जिससे समाज में महिलाओं के लिए अवसरों की कमी न हो। उन्होंने कहा कि महिलाओं में क्षमता बहुत होती है बस उन्हें उचित अवसर प्रदान करने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी महिलाओं को आग्रह किया की वे स्वयं को, उनके द्वारा किए हुए काम को कमतर न आंके।

पहली महिला छात्र संसद के लिए विश्वविद्यालय को चुनने के लिए उन्होंने AIU का आभार माना। उन्होंने कहा कि एआईयू हमेशा से ही युवा गतिविधियों को बढ़ावा देता है। महिला छात्र संसद का पहली बार आयोजन समाज में महिलाओं को बढ़ावा देने एक ऐसी ही सशक्त पहल है। यह उन्हें आगे बढ़ने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है।

महिला सशक्तिकरण और उनकी लोकतंत्र में भूमिका को मजबूत करने के लिए महिला छात्र संसद का होना बहुत ही महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे युवा छात्राओं में संसद कार्य प्रणाली की समझ बढ़ेगी और वे इसे अनुभव के आधार पर सीखेंगी। आने वाले समय में इस आयोजन के कारण महिला सांसदों की संख्या भारतीय संसद में भी बढ़ेगी। उनके अंदर समाज और विश्व को बदलने की दृढ़ इच्छाशक्ति आयेगी और महिला सशक्तिकरण के साथ समाज सशक्त होने का यह संदेश हर क्षेत्र में प्रसारित होगा। उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश के साथ, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल, पंजाब, आसाम से युवा महिला प्रतिभागी इस संसद में भाग लेने आई हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रयासों से समाज में सकारात्मक बदलाव आएगा।

प्रथम महिला छात्र संसद का आयोजन भारतीय इतिहास की सांस्कृतिक घटना है: कुलाधिपति

कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने इस कार्यक्रम की महत्ता को बताते हुए कहा कि इस विश्वविद्यालय के संस्थापक ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिलवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई इसलिए प्रथम महिला छात्र संसद के लिए विश्वविद्यालय को चुना जाना उचित है। डॉ गौर ने महिलाओं के लिए बहुत काम किए, उन्हें अधिवक्ता बनने का अधिकार दिलाया। विवाह हेतु अपनी मर्जी से अंतर्जातीय विवाह को मान्यता दिलाने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्षों से चली आ रही दासी प्रथा को अमान्य साबित करवाया। वे हमेशा नारी कल्याण के लिए चिंतित रहे। उन्होंने महिलाओं के साथ विमर्श करके उनकी बात को समझा और उसे पटल पर रखा। उन्होंने विश्वविद्यालय की कुलपति एवं डॉ. श्रीमती पंकज मित्तल का आभार माना और कहा कि महिला छात्र संसद प्रासंगिक घटना नहीं हैं पर यह भारत के सांस्कृतिक इतिहास में दर्ज होनेवाली घटना है जिसके हम सभी साक्षी बन रहे हैं। उद्घाटन सत्र का संचालन डॉ शालिनी द्वारा किया गया।

छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो एडी शर्मा ने आभार ज्ञापन किया. उन्होंने कहा कि एआईयू अपना 100 वर्ष मनाने जा रहा है और भारत अमृत महोत्सव मना रहा है और डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय पहली बार महिला छात्र संसद का आयोजन कर रहा है. हम सभी इसके साक्षी बन रहे हैं। प्रथम तकनीकी सत्र के विषय '2025 तक सभी को आवास दिलाने का सरकार का संकल्प' पर प्रतिभागियों ने पक्ष एवम विपक्ष दलों के अनुसार अपना वक्तव्य एवं वाद विवाद प्रस्तुत किया। तीन दिवसीय युवा महिला छात्र संसद में चार विषयों पर विमर्श होना है जिसमें युवा सशक्तिकरण और रोजगार गारंटी, ग्लोबल सिक्युरिटी और जी 20 जैसे विषय शामिल हैं। प्रथम महिला छात्र संसद के लिए अभिमंच सभागार संसद भवन की की तरह सजाया गया है जिसमें मीडिया गैलरी, फॉरेन डेलीगेट गैलरी भी है।

विश्वविद्यालय • पहली महिला छात्र संसद के दूसरे दिन दो सत्र का आयोजन हुआ

सत्ता पक्ष ने कहा जी-20 का नेतृत्व बड़ी उपलब्धि, विपक्ष बोला- गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने का प्रयास

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वाधान में चल रही पहली महिला छात्र संसद के दूसरे दिन संसद के तीसरे एवं चौथे सत्र का आयोजन हुआ। आठ राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों की प्रतिभागी छात्राओं ने संघीय शक्ति संरचना में केंद्र की भूमिका एवं जी-20 का नेतृत्व और भारत में नेतृत्व की भूमिका विषय पर पक्ष और विपक्षीय दल के सदस्यों के रूप में अपने विचार रखे। महिला छात्र संसद के तीसरे सत्र का विषय संघीय शक्ति संरचना में केंद्र की भूमिका रहा।

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विवि में भारतीय विवि संघ के तत्वावधान में पहली महिला छात्र संसद चल रही है।

इस सत्र में विपक्षीय दल का प्रतिनिधित्व कर रही विभिन्न विश्वविद्यालय की छात्राओं ने सत्ता दल पर प्रश्न खड़े करते हुए कहा सत्ताधारी दल अपने अनुकूल संविधान के अनुच्छेद जैसे 370 आदि में परिवर्तन लाता जा रहा है। वहीं पक्ष ने इन सभी संसाधनों को जनमानस के हित में बताया। महिला छात्र संसद के चौथे सत्र के विषय जी-20 का नेतृत्व और भारत में नेतृत्व की भूमिका पर भी पक्ष और विपक्ष ने सदन में अपने विचार रखे। सत्ता पक्ष ने इसे वसुधैव कुटुंबकम के ध्येय वाक्य से जोड़कर भारत की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि बताया। भारत के मूल्यों एवं संस्कृति को दूसरे देशों के साथ साझा करने के साथ ही उनकी समस्याओं के निराकरण पर काम करने जैसे विचार व्यक्त किए। इन सभी को नकारते हुए विपक्ष ने इसे दूसरे गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला बताया।

विपक्षी वक्ताओं ने कहा कि जिस देश में शिक्षक, एक गुरु और छात्र का अनुपात ही एक लाख विद्यार्थियों पर एक गुरु हो, वह कैसे अपने आप को इस सम्मेलन की अध्यक्षता से विश्व गुरु बनने के सपने देख सकता है। विपक्षीय वक्ताओं ने सत्ता पक्ष को महिलाओं, बेरोजगारी, शिक्षा जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए इस सम्मेलन की अध्यक्षता का प्रचार करने वाला बताया। महिला छात्र सांसदों ने एक दूसरे के प्रश्नों के तात्कालिक उत्तर देते हुए प्रतिवाद किया, जिससे महिला छात्र संसद जीवंत संसद का प्रतिरूप बनकर दिखाई दी। देशभर से आई हुई विभिन्न विश्वविद्यालयों की छात्राओं ने अपने पक्ष और विपक्ष की भूमिका को बखूबी निभाया और संसदीय कार्यप्रणाली में प्रतिभागिता दर्शाई।

महिला छात्र संसद में बिलों पर हुई चर्चा

डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि में चल रही पहली महिला छात्र संसद, देश के सभी विवि की छात्राएं हैं भागीदार

नवभारत न्यूज

सागर 15 मार्च. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वाधान में चल रही प्रथम महिला छात्र संसद के दूसरे दिन संसद के तीसरे एवं चौथे सत्र का आयोजन हुआ.

आठ राज्यों के विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्रतिभागी छात्राओं ने संघीय शक्ति संरचना में केंद्र की भूमिका एवं जी20 का नेतृत्व और भारत में नेतृत्व की भूमिका विषय पर पक्ष और विपक्षीय दल के सदस्यों के आधार पर अपने विचार रखे. महिला छात्र संसद के तीसरे सत्र का विषय संघीय शक्ति संरचना में केंद्र की भूमिका रहा. इस सत्र में विपक्षीय दल का प्रतिनिधित्व कर रही विभिन्न विश्व विद्यालय की छात्राओं ने सत्ता दल पर प्रश्न खड़े करते हुए कहा कि सत्ताधारी दल अपने अनुकूल संविधान के अनुच्छेद जैसे 370 आदि में परिवर्तन लाता जा रहा है, वहीं पक्ष ने इन सभी संसाधनों को जन मानस के हित में बताया. महिला छात्र संसद के चौथे सत्र के विषय जी 20 का नेतृत्व और भारत में नेतृत्व की भूमिका पर भी पक्ष और विपक्ष ने सदन में अपने विचार रखे. सत्ता पक्ष ने इसे वसुधैव कुटुंबकम् के ध्येय वाक्य से जोड़कर इसे भारत की अंतर राष्ट्रीय उपलब्धि बताया.

भारत के मूल्यों एवं संस्कृति को दूसरे देशों के साथ साझा करने के साथ ही उनकी समस्याओं के निराकरण पर काम करने जैसे विचार व्यक्त किए। इ. सभी को नकारते हुए विपक्ष ने इसे दूसरे गंभीर मुद्दों से ध्यान भटकाने वाला बताया. विपक्षी वक्ताओं ने कहा कि जिस देश में शिक्षक, एक गुरु और छात्र का अनुपात ही एक लाख विद्यार्थियों पर एक गुरु हो वह कैसे अपने आप को इस सम्मेलन की अध्यक्षता से विश्व गुरु बनने के सपने देख सकता है. विपक्षीय वक्ताओं ने सत्ता पक्ष को महिलाओ, बेरोजगारी, शिक्षा जैसे गंभीर मुद्दों से ध्यान हटाने हेतु इस सम्मेलन की अध्यक्षता का प्रचार करने वाला बताया.

महिला छात्र सांसदों ने एक दूसरे के प्रश्नों के तात्कालिक उत्तर देते हुए प्रतिवाद किया जिससे महिला छात्र संसद जीवंत संसद का प्रतिरूप बनकर दिखाई दी.

विवि के अर्थशास्त्र विभाग में आर्थिक परिषद का वार्षिक अधिवेशन 27 से

सागर। डॉ हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा आगामी 27 एवं 28 मार्च को मध्य प्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक परिषद का 32वा वार्षिक अधिवेशन आयोजन होने जा रहा है। अधिवेशन की विषय वस्तु मध्यप्रदेश में कौशल विकास और भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के मुद्दे एवं चुनौतियां है। इस वार्षिक अधिवेशन में भारत भर के अर्थशास्त्र विषय से जुड़े विद्वान अपनी भागीदारी कर अपने सुझाव प्रेषित करेंगे। अर्थशास्त्र विभाग ने अधिवेशन को सफल बनाने के लिए विभाग के शिक्षकों एवं शोधार्थियों और सागर जिले के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ विचार विमर्श किया गया और सुझाव आमंत्रित कर उनको क्रियान्वित करने की तैयारी की जा रही है।

संगोष्ठी आज से

सागर @ पत्रिका. डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के रसायनशास्त्र विभाग में 16 से 17 मार्च 2023 तक दो दिवसीय 'रिसेंट एडवांसेस इन केमिकल साइंसेज' विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय संगोष्ठी की संरक्षक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगी। गौर अतिथि रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर प्रो. मानस के. घोराई होंगे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ.कल्पतरु दास एवं स्कूल डीन प्रो. एपी मिश्रा ने बताया कि संगोष्ठी में देशभर के रसायन विज्ञान शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक शामिल होंगे।

विश्वविद्यालय में पाठ्यक्रमों में प्रवेश होंगे

सागर, आचरण। विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की बैठक दिनांक 15.03.2023 को आयोजित हुई। जिसमें प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रवेश प्रगति के संबंध में समिति समन्वयकों के साथ चर्चा की। उन्होंने नवीन पाठ्यक्रम बी.कॉम.बी.एड., इंजीनियरिंग, फिजिकल एजुकेशन में बी.पी.एड. डिग्री एवं डिप्लोमा, योग विज्ञान, पैरामेडीकल के अंतर्गत कुछ नये पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जा रहे हैं। स्नातकोत्तर में एम.एससी. पर्यावरण कोर्स इस सत्र से प्रारंभ होना है इस इस पर भी चर्चा की। प्रवेश प्रक्रिया को सुचारू एवं समयबद्ध संचालन कि लिए कुलपति ने आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये।

प्रणामी पीठ के अंतर्गत होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो बलवंतराय शांतिलाल जानी ने श्री खिजड़ा मंदिर नवतनपूरी जामनगर गुजरात और डॉ हरी सिंह गौर विश्वविद्यालय के मध्य हुए अकादमिक समझौते के तहत स्थापित श्री कृष्ण प्रणामी स्वाध्याय पीठ के आगामी कार्यक्रमों और योजनाओं के सम्बंध में पीठ के सदस्य सचिव डॉ आशुतोष के साथ चर्चा की और पीठ द्वारा निकट भविष्य में महामति प्राणनाथ की बहुभाषिक काव्यगत अवदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। संगोष्ठी में महामति प्राणनाथ द्वारा हिंदी, गुजराती, सिंधी और उर्दू में रचित साहित्य की सामाजिक और शैक्षिक मूल्यवत्ता को रेखांकित किया जायेगा। संगोष्ठी में जामनगर, गुजरात के साथ ही विभिन्न भाषाओं के विद्वानों को आमंत्रित किया जायेगा।

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी 16 एवं 17 को

सागर, आचरण। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के रसायन शास्त्र विभाग में 16 से 17 मार्च 2023 तक दो दिवसीय रिसेंट एडवांसेस इन केमिकल साइंसेज विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है. इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की संरक्षक विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करेंगी। गौर अतिथि रसायन विज्ञान विभाग, आईआईटी कानपुर (सदस्य बीओजी, आईआईटी कानपुर और एनआईपीईआर रायबरेली) प्रो. मानस के घोराई होंगे। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ. कल्पतरु दास एवं संगोष्ठी निदेशक, रसायन विज्ञान विभाग और स्कूल डीन प्रो. ए.पी. मिश्रा ने बताया कि इस संगोष्ठी में देश भर के रसायन विज्ञान शोधकर्ता एवं वैज्ञानिक शामिल होंगे और विषय से संबंधित विषयों पर शोध पत्रों का वाचन होगा।

मप्र क्षेत्रीय आर्थिक परिषद का वार्षिक अधिवेशन 27 से

सागर। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय सागर के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा मप्र क्षेत्रीय आर्थिक परिषद का 32वां वार्षिक अधिवेशन आगामी 27-28 मार्च को होगा। अधिवेशन की विषय वस्तु मप्र में कौशल विकास और भारत में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों के मुद्दे एवं चुनौतियां है। इस वार्षिक अधिवेशन में भारत भर के अर्थशास्त्र विषय से जुड़े विद्वान अपनी भागीदारी कर अपने सुझाव प्रेषित करेंगे। अर्थशास्त्र विभाग ने अधिवेशन को सफल बनाने के लिए विभाग के शिक्षकों एवं शोधार्थियों और सागर जिले के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों के साथ विचार विमर्श किया गया और सुझाव आमंत्रित कर उनको क्रियान्वित करने की तैयारी की जा रही है। (नप्र)

प्रणामी पीठ के अंतर्गत होगी राष्ट्रीय संगोष्ठी

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्व विद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने खिजड़ा मंदिर नवतनपूरी जामनगर गुजरात और डा. हरीसिंह गौर विवि के मध्य हुए अकादमिक समझौते के तहत स्थापित श्री कृष्ण प्रणामी स्वाध्याय पीठ के आगामी कार्यक्रमों और योजनाओं के संबंध में पीठ के सदस्य सचिव डा. आशुतोष के साथ चर्चा की। पीठ द्वारा निकट भविष्य में महामति प्राणनाथ की बहुभाषिक काव्यगत अवदान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की रूपरेखा पर विचार विमर्श किया। संगोष्ठी में महामति प्राणनाथ द्वारा हिंदी, गुजराती, सिंधी और उर्दू में रचित साहित्य की सामाजिक और शैक्षिक मूल्यवत्ता को रेखांकित किया जायेगा। संगोष्ठी में जामनगर, गुजरात के साथ ही विभिन्न भाषाओं के विद्वानों को आमंत्रित किया जाएगा। जिससे छात्रों को मूल्यवर्धित ज्ञान आसानी से मिल सके। (नप्र)

महिला छात्र संसद संघीय संरचना में केंद्र की भूमिका और जी-20 में भारत के नेतृत्व पर चर्चा

बिलों पर चर्चा के दौरान महिला छात्र सांसदों में हुई नोकझोंक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. तीखी बहस, पक्ष- विपक्ष के बीच तर्क- वितर्क और रह- रहकर अपनी बात को प्रभावी बनाने के लिए हो रहा शोर। यह पढ़कर आपके मस्तिष्क में संवैधानिक संस्था के किसी सत्र का दृश्य उभरा होगा, लेकिन यहां ऐसा नहीं है। यह नजारा है डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में चल रही राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का है। महिला छात्र संसद के दूसरे दिन सत्ता पक्ष और विपक्ष के जनप्रतिनिधियों के बीच विभिन्न विषयों पर तीखी नोकझोंक ने सदन का दृश्य साकार कर दिया।

सभापति के निर्देश के साथ ही सदन की दूसरे दिन की कार्रवाई शुरू हुई। संघीय शक्ति संरचना में केंद्र की भूमिका पर सत्ता पक्ष के सांसदों ने अपनी बात रखी। देश को नया स्वरूप देने और सशक्त बनाने के तथ्यों पर विपक्षी दल के सांसद ने नकार दिया। महिला सांसदों ने सत्ता दल पर सवाल खड़े करते हुए संविधान के अनुच्छेद 370 व अन्य में अपने अनुकूल परिवर्तन करने के आरोप लगाए। नोकझोंक के बीच सत्ता पक्ष के सांसदों ने भी आरोपों को काटते हुए इन परिवर्तनों को जनमानस के लिए हितकारी बताया।

सदन के चौथे सत्र में भी लाए गए बिल के समर्थन और विरोध में आमने- सामने रहे। सत्ता पक्ष ने सदन में जी-20 में भारत के नेतृत्व का बिल प्रस्तुत किया। चर्चा में सत्ता पक्ष के सांसदों ने इसे वसुधैव कुटुम्बकम के ध्येय वाक्य पर आधारित और देश को अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि दिलाने वाला बताया। उन्होंने कहा इसके माध्यम से हमारे मूल्यों एवं संस्कृति को दूसरे देशों से साझा करने से देश का गौरव बढ़ेगा। यही नहीं उनकी समस्याओं के निराकरण पर भी काम करने का अवसर मिलेगा। विपक्ष ने इस बिल के समर्थन में किए गए दावों को गंभीर मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने वाला करार दिया।

विपक्षी सांसदों ने कहा जिस देश में एक लाख छात्रों पर एक शिक्षक है वहा कैसे इस तरह के सम्मेलनों की अध्यक्षता कर विश्वगुरु बनने का सपना देखा जा सकता है। सत्ता पक्ष महिलाओं, बेरोजगारों की समस्याओं सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहा है। ऐसे सम्मेलन केवल प्रचार पाने का एक अवसर है।

विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए सत्ता पक्ष के सांसदों ने प्रतिवाद किया। पक्ष- विपक्ष के बीच होती तीखी बहस के बीच बहुमत से बिल पारित किए गए। राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के इन सत्रों में सदन की कारंवाई का प्रतिरूप देखने दीर्घा में भी विश्वविद्यालयीन छात्र- छात्राएं मौजूद रहे। महिला छात्र संसद का समापन गुरुवार को अंतिम सत्र के साथ होगा। सदन में 8 राज्यों के विश्वविद्यालयों से आई छात्राओं ने जनप्रतिनिधि के रूप में सदन में अपनी भूमिका के निर्वाह का शानदार प्रस्तुतिकरण किया।

सागर. अभिमंच सभागार में भारतीय सदन का स्वरूप हुआ साकार

विश्वविद्यालय में बनेगा हिंदी क्लब, ख्यातिनाम लेखकों की बनेगी हिंदी गैलरी

सागर, आचरण। डॉ हरीसिंह गौर विवि सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ की तिमाही बैठक के दौरान अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि परिसर में हिंदी के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से हिंदी क्लब बनाया जाएगा। इसी के साथ सुविख्यात साहित्यकारों एवं लेखकों के जीवन वृत्त के साथ हिंदी गैलरी बनाई जाएगी। हिंदी में काम करने हेतु जागरूकता और प्रेरणा के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए एक पत्रिका का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है कि शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषाओं में हो। ऐसे में राजभाषा के साथ-साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में हिंदी में काम-काज और अपने दैनंदिन जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में हम सफल होंगे। राजभाषा प्रकोष्ठ की वार्षिक पत्रिका भाषा-भारती का भी विमोचन हुआ. बैठक में राजभाषा में कामकाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य कई विचार बिंदुओं पर चर्चा हुई। समिति की अध्यक्षा एवं कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति की समीक्षा की और महत्त्वपूर्ण दिशानिर्देश दिए।

हिन्दी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने समिति के समक्ष राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की दिशा में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन समिति के समक्ष रखा। बैठक में प्रो. पी.के. कठल, प्रो. सुबोध जैन, प्रो. एस.एच. आदिल, प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, प्रो. भवतोष इंद्र गुरू डॉ. विवेक बी. साठे, डॉ. राजाभाउ तुकाराम बेद्रे, डॉ. सत्यिप्रकाश उपाध्याय, रूपेन्द्र जुगल चौरसिया, डॉ. मुकेश कुमार साहू, राजकुमार पाल, डॉ. एस.पी. गादेवार, डॉ. अभिषेक जैन, श्रीमती ए. लक्ष्मी, डॉ. सुमन पटेल, डॉ. विवेक जायसवाल, हिन्दीज अनुवादक अभिषेक सक्सेना एवं हिन्दी टंकक विनोद रजक उपस्थित रहे।

दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन हुआ

सागर, आचरण। डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन हुआ, रीसेंट एडवान्सेज इन कैमिकल साइंसेज विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति प्रोफेसर नीलिमा गुप्ता ने किया। मंच पर गौर अतिथि के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मानस के धोरई, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष और संकायाध्यक्ष प्रोफेसर एपी मिश्रा, डायरेक्टर आर एंड डी प्रो हरेल थामस और संयोजक कल्पतरू दास उपस्थित थे। कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने देश की प्रगति में विज्ञान के योगदान को भी याद दिलाते हुये विश्व स्तरीय रिसर्च के लिये हरसंभव योगदान की बात कही, प्रो धोरई ने कहा कि हमें वैज्ञानिक के रूप में समाज के विकास में योगदान देना चाहिये। अतिथियों का स्वागत प्रो विजय वर्मा, डॉ. विवेक तिवारी, डॉ रत्नेश दास, डॉ. नीरज, डॉ. रितु यादव ने कियाद्य आज सेमिनार के तीन सत्रों का समापन हुआ जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ और शोध छात्रों ने अपना प्रेजेंटेशन दिया।

टेक्निकल सेशन फर्स्ट में चेयरपर्सन प्रो एपी मिश्रा और प्रो अस्मिता गजभिए थे, कीनोट स्पीकर प्रोफ़ेसर एमके धोराई आईआईटी कानपुर,आमंत्रित व्याख्यान प्रोफ़ेसर प्रसनजीत मॉल (नाइजर भुवनेश्वर) प्रो ए विसाई (आईसर), प्रो एसएसबी रामशास्त्री (आईसर मोहाली) रहे। टेक्निकल सेशन दो में चेयरपर्सन प्रो विजय वर्मा, प्रो नवीन कांगो, आमंत्रित व्याख्यान प्रो संजीव कुमार (आईसर भोपाल) डा संदीप निगम (बार्क मुंबई), डॉ. नितिन लाबसेटबार (नीरी नागपुर) डॉ. एम मन्ना (सीएसएमसीआरआई भावनगर) ओरल प्रेजेंटेशन चेयरपर्सन प्रो प्रनेश सेन गुप्ता (बार्क मुंबई). जज डॉ सुशील कासव डॉ नितिन लाबसेटवार थे। आभार डा पुष्पल घोस ने व्यक्त किया, संचालन डा. अभिलाषा दुर्गवंशी ने व्यक्त किया। शाम को डा राकेश सोनी के निर्देशन में सांस्कृतिक संध्या का आयोजन विवि के प्रदर्शन कारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया।

महिलाएं हमेशा से संपूर्णता में रही हैं और वह नैसर्गिक संपूर्णता की वाहक रही हैं : कुलपति

डा. गौर विश्वविद्यालय में चल रही प्रथम महिला छात्र संसद का समापन

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वावधान में चल रही प्रथम महिला छात्र संसद के तीसरे एवं अंतिम दिन सदन में प्रश्न उत्तर काल के बाद तीन दिवसीय महिला छात्र संसद के समापन समारोह का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आई सभी प्रतिभागी इस आयोजन की यादें अपने साथ लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम आज इतिहास बन चुका है। पहली बार देश में महिला संसद का आयोजन हुआ है जिसमें हमारे विवि को इसका आयोजक बनने का मौका मिला। उन्होंने कहा कि महिलाएं हमेशा से संपूर्णता में रही हैं और वह नैसर्गिक संपूर्णता की वाहक रही हैं।

विश्वविद्यालय में आयोजित महिला संसद के समापन मौके पर विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। नवदुनिया

लोकतांत्रिक समाज के निर्माण के लिए संसदीय प्रक्रिया जानना आवश्यक : समाज के समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद आनंद अहिरवार ने कहा कि आप सभी हमारे देश का भविष्य हैं। आप छात्र जीवन में ऐसी गतिविधियों से लोकतंत्र के प्रति जागरूक हो रहे हैं और ऐसे ही समाज मे जागरुकता बढेगी। शिक्षा एक आन्दोलन है और यह सभी को निर्भीक बनाते हुए सजग एवं न्यायप्रिय बनाती है। हम सभी इसके द्वारा अच्छे नागरिक बनते हैं. नीतियों के निर्माण मे गलत फैसले से समाज में विसंगति आ सकती है।

समाज के अच्छे भविष्य के निर्माण के लिए इस प्रक्रिया को समझना आवश्यक है। पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने कहा कि इस आयोजन से भविष्य के सांसदों के निर्माण की प्रक्रिया आरंभ हुई है। भारत में जनपदों के काल से लोकतंत्र जीवित है।महिलाओं में सहनशीलता अधिक होती है जो की लोकतंत्र के लिए आवश्यक है।

बेटियों की इस संसद से संवरेगा देश का भविष्य : महापौर संगीता तिवारी ने कहा कि यह एक रचनात्मकता उपक्रम है जो महिला नेतृत्व को तैयार करता है। यह वैश्विक स्तर पर महिला सशक्तिकरण का उदहारण है। बेटियों की इस संसद से देश का भविष्य संवरेगा। ऐसे कार्यक्रमों से छात्राएं शिक्षा के दौरान ही दृष्टिकोण, विचारों की महत्वपूर्णता और प्रभावी संचार सीखती है।

समापन समारोह के पूर्व प्रश्न उत्तर काल में रक्षा मंत्रालय से विपक्ष ने रक्षा पर खर्च किए जाने वाले घटते बजट, इसमें हो रहे अनुसंधान, विदेशी निर्मित शस्त्रों के आयात, जैविकीय शस्त्रों की तत्कालीन स्थिति आदि से संबंधित प्रश्न पूछे।

इस पर रक्षा मंत्री ने मेक इन इंडिया जैसी नीति, कोविड काल के चलते आर्थिक परिस्थिति एवं भारत का विस्तारवादी देश न होना जैसी दलीले पेश करते हुए सदन में पूछे गए सवालों के उत्तर दिए। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय से सवाल पूछते हुए विपक्ष ने मानव तस्करी को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए जाने वाले कदमों पर प्रश्न उठाया।

राष्ट्रपति भवन भेजा जाएगा प्रस्ताव

कार्यक्रम के आयोजक डा. राकेश सोनी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि इस महिला छात्र संसद का विस्तृत प्रतिवेदन राष्ट्रपति भवन एवं सभी मंत्रालयों तक पहुंचाया जाएगा। समापन समारोह में विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए, जिसमें प्रथम स्थान देवी अहिल्या विवि इंदौर, द्वितीय चंडीगढ विवि मुहाली एवं जीवाजी विवि ग्वालियर रहे। तीसरा स्थान डा. हरीसिंह गौर विवि, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर एवं बनस्थली विद्यापीठ राजस्थान ने अर्जित किया। समारोह का संचालन डा. शालिनी ने किया।

रतन लाल साहू

विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का समापन

नैसर्गिक संपूर्णता की वाहक हैं महिलाएं: कुलपति

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में भारतीय विश्वविद्यालय संघ के तत्वाधान में चल रही तीन दिवसीय महिला छात्र संसद का गुरुवार को समापन हो गया। छात्र संसद के समापन अवसर पर पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव, पूर्व सांसद आनंद अहिरवार एवं महापौर संगीता तिवारी अतिथि के रूप में उपस्थिति रहीं। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने समारोह की अध्यक्षता की। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि महिला छात्र संसद का आयोजन सफल रहा है। सभी प्रतिभागी इस आयोजन की यादें अपने साथ लेकर लौटेंगे। यह कार्यक्रम इतिहास बना है। पहली बार देश में महिला छात्र संसद का आयोजन हुआ है। महिलाएं हमेशा से सम्पूर्णता की वाहक रही हैं। पूर्व

तीन दिवसीय राष्ट्रीय महिला छात्र संसद का समापन पर उपस्थित अतिथि।

सांसद डॉ.आनंद अहिरवार ने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य हैं। छात्र जीवन में ऐसी गतिविधियों से लोकतंत्र के प्रति जागरुक होंगे और समाज में जागरूकता बढेगी। शिक्षा एक आन्दोलन है और यह सभी को निर्भीक, सजग एवं न्यायप्रिय बनाती है। नीतियों के निर्माण में गलत फैसले से समाज में विसंगति आ सकती है। समाज के भविष्य के निर्माण के लिए प्रक्रिया को समझना आवश्यक है।

पूर्व सांसद लक्ष्मीनारायण यादव ने कहा इस आयोजन से भविष्य के सांसदों के निर्माण की प्रक्रिया आरंभ हुई है। ऐसे कार्यक्रम छात्राओं में वाद- प्रतिवाद के कौशल को बढ़ावा देते हैं जो कि संसदीय प्रणालियों का अहम हिस्सा हैं। महापौर संगीता तिवारी नें कहा यह एक रचनात्मकता उपक्रम है जो महिला नेतृत्व को तैयार करता है।

तीन दिवसीय छात्र संसद के समापन पर कार्यक्रम के आयोजक डॉ.राकेश सोनी ने प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सदन की कार्वाई, मंत्रियों की भूमिका के निर्वाह और प्रश्न- उत्तर काल व संसद से ज्यादा चले सत्रों की जानकारी दी। उन्होंने कहा देश की पहली महिला छात्र संसद के विस्तृत प्रतिवेदन को राष्ट्रपति भवन भेजा जाएगा।

समापन पर प्रथम विजेता के रूप में देवी अहिल्या विवि इंदौर, द्वितीय स्थान पर चंडीगढ़ विवि मुहाली एवं जीवाजी विवि ग्वालियर जबकि तृतीय रहे डॉ.हरीसिंह गौर विवि सागर, लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी जालंधर एवं वनस्थली विद्यापीठ राजस्थान को पुरस्कृत किया गया। सांत्वना पुरस्कार संत गाडगे बाबा अमरावती यूनिवर्सिटी, इन्टीग्राल यूनिवर्सिटी लखनऊ, एडम्स यूनिवर्सिटी बारासत एवं एकेएस यूनिवर्सिटी सतना को दिया गया। विश्वविद्यालय की टीमों के साथ आए मैनेजर भी इस अवसर पर सम्मानित किए गए। समापन समारोह का संचालन डॉ. शालिनी द्वारा किया गया जबकि आभार डॉ. राकेश सोनी ने माना।

विवि में नए पाठ्यक्रम शुरू हो रहे जुलाई से

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता की अध्यक्षता में प्रवेश समिति की बैठक आयोजित हुई. जिसमें प्रो. नीलिमा गुप्ता ने प्रवेश प्रगति के संबंध मे समिति समन्वयकों के साथ चर्चा की. उन्होंने नवीन पाठ्यक्रम बी.कॉम. बीएड, इंजीनियरिंग, फिजिकल एजुकेशन में बीपीएड डिग्री एवं डिप्लोमा, योग विज्ञान, पैरामेडीकल के अंतर्गत कुछ नये पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जा रहे हैं. स्नातकोश्रर में एमएससी पर्यावरण कोर्स इस सत्र से प्रारंभ होना है इस इस पर भी चर्चा की. प्रवेष प्रक्रिया को सुचारू एवं समयबद्ध संचालन कि लिए कुलपति ने दिशा निर्देश भी दिये. बैठक में प्रो. दिवाकर सिंह राजपूत, प्रो. आशीष वर्मा, डॉ. सुरेन्द्र गादेवार, डॉ. रितु यादव, डॉ. कृष्णकुमार, डॉ. हेमन्त पाटीदार डॉ. बबलू रे आदि मौजूद रहे.

विश्वविद्यालय में बनेगा हिंदी क्लब
ख्यातिनाम लेखकों की बनेगी हिंदी गैलरी

सागर। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के राजभाषा प्रकोष्ठ की तिमाही बैठक के दौरान अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि परिसर में हिंदी के प्रति जागरूकता के उद्देश्य से हिंदी क्लब बनाया जाएगा।

इसी के साथ सुविख्यात साहित्यकारों एवं लेखकों के जीवन वृत्त के साथ हिंदी गैलरी बनाई जाएगी। हिंदी में काम करने हेतु जागरूकता और प्रेरणा के उद्देश्य से विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं के लिए एक पत्रिका का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है कि शिक्षा का माध्यम भारतीय भाषाओं में हो। ऐसे में राजभाषा के साथ साथ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों को पूर्ण करने की दिशा में हिंदी में काम-काज और अपने दैनिक जीवन में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में हम सफ ल होंगे। बैठक में राजभाषा प्रकोष्ठ की वार्षिक पत्रिका भाषा भारती का भी विमोचन हुआ। बैठक में राजभाषा में कामकाज को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अन्य कई विचार बिंदुओं पर चर्चा हुई। कुलपति ने विश्वविद्यालय में राजभाषा कार्यान्वयन की प्रगामी प्रगति की समीक्षा की और महत्वपूर्ण दिशानिर्देश दिए। हिन्दी अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे प्रभारी कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने समिति के समक्ष राजभाषा के प्रगामी प्रयोग की दिशा में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन समिति के समक्ष रखा। बैठक में प्रो. पीके कठल, प्रो.सुबोध जैन, प्रो. एसएच आदिल, डॉ सत्यप्रकाश उपाध्याय, डॉ मुकेश कुमार साहू, राजकुमार पाल आदि उपस्थित रहे।

विवि के रसायन विभाग में राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ, विशेष विशेषज्ञ जुटे

2 दिन महत्वपूर्ण विषयों पर होगी चर्चा, बाहर से आए विद्वान कर रहे भागीदारी

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विवि के रसायन शास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन गुरुवार को हुआ। रीसेंट एडवान्सेज इन केमिकल साइंसेज विषय पर आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने किया। मंच पर गौर अतिथि के रूप में आईआईटी कानपुर के प्रो. मानस के धोरई, रसायन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रो.एपी मिश्रा, डायरेक्टर आर एंड डी प्रो.हरेल थामस और संयोजक कल्पतरू दास उपस्थित थे। कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने देश की प्रगत्ति में विज्ञान के योगदान की याद दिलाते हुये विश्वस्तरीय रिसर्च के लिये हरसंभव सहायता की बात कही। प्रो धोरई ने कहा कि हमें वैज्ञानिक के रूप में समाज के विकास में योगदान देना चाहिये। अतिथियों का स्वागत प्रो.विजय वर्मा, डॉ.विवेक तिवारी, डॉ.रत्नेश दास, डॉ.रितु यादव ने किया। गुरुवार को सेमिनार के तीन सत्रों का समापन

हुआ जिसमें विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ और शोध छात्रों ने अपना प्रजेंटेशन दिया। टेक्निकल सेशन फर्स्ट में चेयरपर्सन प्रो.एपी मिश्रा और प्रो.अस्मिता गजभिए थे। कीनोट स्पीकर प्रो.एमके धोराई आईआईटी कानपुर, आमंत्रित व्याख्यान प्रो.प्रसनजीत मॉल नाइजर भुवनेश्वर, प्रो.विसाई आईसर, प्रो.एसएसबी रामशास्त्री आईसर मोहाली रहे। टेक्निकल सेशन दो में चेयरपर्सन प्रो.विजय वर्मा, प्रो.नवीन कांगो, आमंत्रित व्याख्यान प्रो.संजीव कुमार आईसर भोपाल, डॉ.संदीप निगम बार्क मुंबई, डॉ.नितिन लाबसेटबार नीरी नागपुर, डॉ.एममन्ना सीएसएमसीआरआई भावनगर,ओरल प्रेजेंटेशन चेयरपर्सन प्रो. प्रनेश सेनगुप्ता बार्क मुंबई, जज डॉ. सुशील कासव, डॉ. नितिन लाबसेटवार थे। वहीं शाम को विवि के प्रदर्शनकारी कला विभाग के विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति जमीं पर उतरने का कार्य कर रही है

कार्यक्रम के दौरान स्मारिका का विमोचन करते हुए अतिथि। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी "राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के पुनर्जीवन" का आयोजन मंगलवार को स्वर्ण जयंती सभागार में किया गया।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा शास्त्र विभाग बहुत ही प्रासंगिक विषय पर यह सेमिनार आयोजित कर रहा है। प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रावधान है, जिसे सर्वप्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति जमीं पर उतरने का कार्य कर रही है। कुलपति ने विभाग की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि अक्टूबर 2021 में शिक्षा मंत्रालय ने 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम को अधिसूचित किया. हैं जो एक दोहरी प्रमुख समग्र स्नातक डिग्री है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत अध्यापक शिक्षा से संबंधित प्रमुख प्रावधानों में से एक है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद ने पूरे देश में शैक्षणिक सत्र 2023-24 से 57 शिक्षक शिक्षा संस्थानों में एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आइटीइपी) शुरू किया है जिसमें से डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय का विभाग शिक्षाशास्त्र विभाग भी चयनित किया गया है। कुलपति ने बच्चों को सीखने-सीखाने की नई-नई प्रविधियों का जिक्र करते हुए बताया कि शिक्षाशास्त्र विभाग प्रतिवर्ष सामुदायिक कार्यों का आयोजन बड़े ही बेहतरीन तरीके स कर रहा है

टाय बेस्ड शिक्षण-शास्त्र की चर्चा : मुख्य बीज वक्ता प्रो सरोज शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भारतीयता से ओत-प्रोत बताते हुए टाय बेस्ड शिक्षण-शास्त्र की चर्चा की। मुख्य अतिथि नीरजा गुप्ता ने प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के महत्व की चर्चा की और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नीति का वैज्ञानिक विश्लेषण किया। उद्घाटन सत्र के अंत में स्मारिका का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डा. धर्मेन्द्र कुमार सर्राफ ने किया एवं आभार डा. अभिषेक कुमार प्रजापति ने किया। प्रथम दिवस के शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बीएबीएड, बीएससी. बीएड आठवीं सेमेस्टर के शिक्षार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुति दी। इस दौरान प्रतिभागियों ने कुल 23 शोध पत्रों का वाचन किया। संगोष्ठी के दूसरे दिवस के कुल चार तकनीकी सत्रों में कुल 48 शोध पत्रों का वाचन किया गया। समापन सत्र की अध्यक्षता प्रो. गणेश शंकर गिरी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जंतु विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. डीपी गुप्ता थे। कार्यक्रम का संचालन डा. अभिषेक कुमार प्रजापति, संगोष्ठी प्रतिवेदन का वाचन आयोजन सचिव डा. धर्मेन्द्र कुमार सर्राफ एवं आभार डा. अनुपी समैया ने किया।

बैठक आयोजन समिति के सदस्यों की मेहनत को कुलपति ने सराहा

समन्वित प्रयासों से उत्कृष्टता की ओर बढ़ेगा विश्वविद्यालयः कुलपति

आचरण संवाददाता

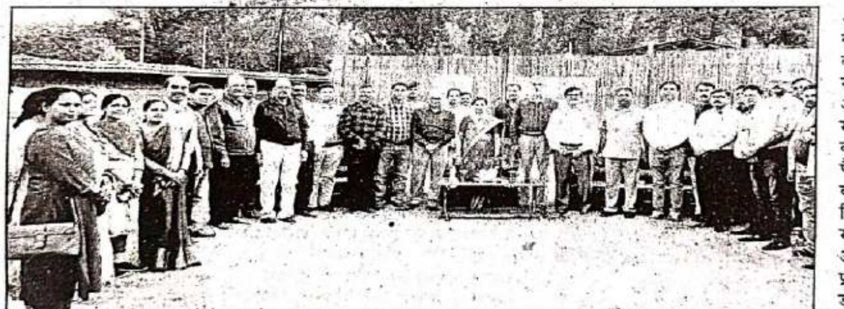

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पिछले दिनों हुए विश्वविद्यालय में हुए दो महत्वपूर्ण आयोजनों दीक्षान्त समारोह और प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के विभिन्न समितियों के समन्वयकों एवं सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि यह दोनों ही कार्यक्रम सभी सदस्यों के श्रम और समन्वित प्रयास से ही सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न शैक्षणिक, सह शैक्षणिक गतिविधियां चल रही हैं। सभी गतिविधियों में विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी और अधिकारी वर्ग का आपसी समन्वय बहुत ही आवश्यक है, तभी कोई कार्य सफल होता है। आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय की प्रत्येक इकाई और अधिक व्यवस्थित होगी, इसके लिए सभी जरूरी प्रयास किये जा रहे हैं। आगामी नैक निरीक्षण में हम अच्छे ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्टता की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने आयोजन समितियों के सदस्यों को उपहार स्वरूप मिलेट्स के पैकेट भी भेंट किये। अंतर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के नोडल प्रभारी डॉ. अभिषेक जैन ने इस अवसर पर कहा कि मिलेट्स (मोटे अनाज) की जागरूकता के उद्देश्य से दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले अतिथियों को मिलेट्स से बने खाद्य सामग्री भी भेंट स्वरूप प्रदान की गई थी। विद्यार्थियों को खाने के पैकेट्स में भी मिलेट्स से बनी वस्तुएं भी दी गईं। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर जागरूकता संदेश भी प्रदर्शित किए गए। इस अवसर पर प्रो अम्बिकादत्त शर्मा, प्रो नवीन कानगो, प्रो संजय जैन, डॉ राकेश सोनी सहित कई सदस्यों ने आयोजन को लेकर अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कई शिक्षक, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

पूर्णिमा अग्रवाल एवं शिवानी सराफ को मिला यंग साइंटिस्ट अवॉर्ड

सागर| डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फार्मेसी विभाग की सीनियर रिसर्च फेलो- आईसीएमआर पूर्णिमा अग्रवाल एवं शिवानी सराफ को पिछले दिनों सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान विदिशा में आयोजित 38वीं यंग साइंटिस्ट कांग्रेस में यंग अवार्ड से सम्मानित किया गया। पूर्णिमा को प्रथम स्थान उनकी रिसर्च सेरेमाइड एडजंक्टेडमूको अधेसिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स फार सिनर्जिस्टिक इन्हेंसमेंट ऑफ़ ओरल कैंसर केमोथेरेपी और शिवानी को दूसरा स्थान उनकी रिसर्च स्मार्ट लाइपोसोमबियरिंगए केमोथेरापीटिक एजेंट एंड एनेचुरल एपोटोसिस मॉड्यूलेटर फॉर इफेक्टिव इंटर सेलुअर डिलीवरी टू द सॉलिडट्यूमर विषय पर रिसर्च के लिए सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान विदिशा के कुलपति द्वारा यह सम्मानित किया गया। पूर्णिमा ने यह शोध अध्ययन डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय के भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएचडी के दौरान विभागाध्यक्ष प्रो.वंदना सोनी के निर्देशन में किया। शिवानी ने यह शोध अध्ययन डॉ प्रो. संजय जैन के निर्देशन में किया । उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय कुलगुरु प्रो नीलिमा गुप्ता, विभाग के समस्त शिक्षकों व अपने माता पिता ज्योत्सना अशोक अग्रवाल एवं रेखा राजकुमार सोनी को दिया।

समन्वित प्रयासों से उत्कृष्टता की ओर बढ़ेगा डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने पिछले दिनों हुए विश्वविद्यालय में हुए दीक्षान्त समारोह और प्रथम राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के विभिन्न समितियों के समन्वयकों एवं सदस्यों की बैठक लेकर आयोजन की सफलता पर चर्चा की।

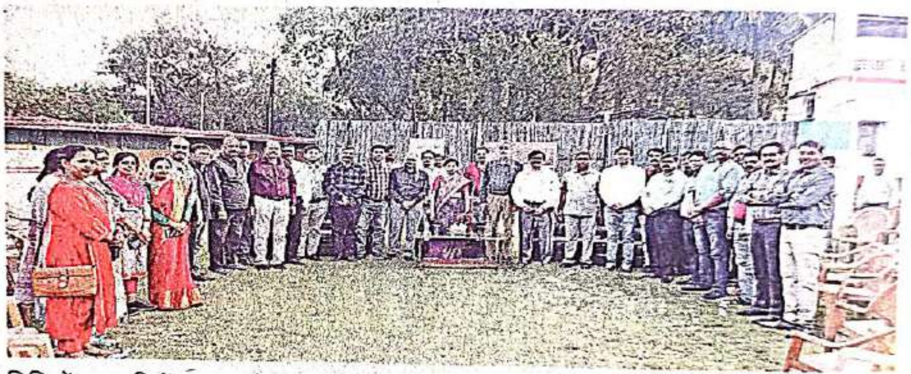

विवि में हाल ही में हुए आयोजनों की सफलता पर कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने समिति सदस्यों से मुलाकात की। ● नवदुनिया

उन्होंने कहा कि यह दोनों ही कार्यक्रम सभी सदस्यों के श्रम और समन्वित प्रयास से ही सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न शैक्षणिक, सह शैक्षणिक गतिविधियां चल रही हैं। सभी गतिविधियों में विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारी और अधिकारी वर्ग का आपसी समन्वय बहुत ही आवश्यक है, तभी कोई कार्य सफल होता है। आने वाले दिनों में विवि की प्रत्येक इकाई और अधिक व्यवस्थित होगी, इसके लिए सभी जरूरी प्रयास किये जा रहे हैं। आगामी नैक निरीक्षण में हम अच्छे ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्टता की ओर बढ़ेंगे।

मिलेट्स के पैकेट बांटे

विवि प्रबंधन द्वारा आयोजन समितियों के सदस्यों को उपहार स्वरूप मिलेट्स के पैकेट भी भेंट किए। अंतराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के नोडल प्रभारी डा. अभिषेक जैन ने इस अवसर पर कहा कि मिलेट्स (मोटे अनाज) की जागरूकता के उद्देश्य से दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होने वाले अतिथियों को मिलेट्स से बने खाद्य सामग्री भी भेंट की। विद्यार्थियों को खाने के पैकेट्स में भी मिलेट्स से बनी वस्तुएं भी दी गईं। इसके अतिरिक्त विभिन्न स्थानों पर जागरूकता संदेश भी प्रदर्शित किए गए।

विवि में प्रतिभागियों को पुरस्कार अवार्ड दिए गए

सागर. डॉ हरिसिंह गौर विवि के रसायन विभाग में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार रीसेंट एडवांसेज इन कैमिकल सांइसेज विषय में विवि से प्रतिभागियों को पुरूस्कार अवार्ड प्राप्त किये गए .जिनमे बेस्ट ओरल प्रेजेंटेशन अवॉर्ड भरत सिंह, रवि भूषण पाठक, प्रतिभा,स्बेस्ट पोस्टर प्रेजेंटेशन अवॉर्ड मनीष कुमार, स्वतंत्र अग्रहार, श्रुति, आनंद कुद्द, अशफाक वानी एवं प्रतिष्ठा और राशि जैन को मिला. इस दौरान प्रो. मानस के धोरई, प्रो. एपी मिश्रा, प्रो. केएस पित्रे, प्रो. नवीन कांगो, प्रो. थॉमस, प्रो. अर्चना पांडे, डॉ विवेक तिवारी, डॉ कल्पतरु दास, आदि लोगों ने अवार्ड मंच से प्रदान किए.

विवि की प्रत्येक इकाई होगी व्यवस्थितः कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह और पहली राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के कार्यक्रम सभी सदस्यों के श्रम और समन्वित प्रयास से ही सफलतापूर्वक हुए। विश्वविद्यालय में लगातार विभिन्न शैक्षणिक, सह शैक्षणिक गतिविधियां चल रही हैं। सभी गतिविधियों में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी वर्ग का आपसी समन्वय बहुत ही आवश्यक है, तभी कोई कार्य सफल होता है। यह बात डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दीक्षांत समारोह और राष्ट्रीय महिला छात्र संसद के विभिन्न समितियों के समन्वयक एवं सदस्यों से कही। कुलपति ने कहा आने वाले दिनों में विश्वविद्यालय की प्रत्येक इकाई और अधिक व्यवस्थित होगी, इसके लिए सभी जरूरी प्रयास किए जा रहे हैं। आगामी नैक निरीक्षण में हम अच्छी ग्रेड प्राप्त कर उत्कृष्टता की ओर बढ़ेंगे। उन्होंने आयोजन समितियों के सदस्यों को उपहार स्वरूप मिलेट्स के पैकेट भी भेंट किए। अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 के विवि के नोडल प्रभारी डॉ. अभिषेक जैन ने कहा मिलेट्स यानी मोटे अनाज संबंधी जागरुकता के उद्देश्य से दीक्षांत समारोह में शामिल होने वाले अतिथियों को मिलेट्स से बनी खाद्य सामग्री भेंट स्वरूप दी गई थी। विद्यार्थियों को खाने के पैकेट्स में भी मिलेट्स से बनी वस्तुएं दी गईं। इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर जागरूकता संदेश भी प्रदर्शित किए गए। इस मौके पर प्रो. अम्बिकादत्त शर्मा, प्रो. नवीन कानगो, प्रो. संजय जैन, डॉ राकेश सोनी सहित अन्य सदस्यों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

विवि की छात्रा पूर्णिमा अग्रवाल एवं शिवानी सराफ को मिला यंग साइंटिस्ट अवार्ड

विवि की छात्राओं को यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ● नवदुनिया

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर के फार्मेसी विभाग के सीनियर रिसर्च फेलो- आइसीएमआर पूर्णिमा अग्रवाल एवं शिवानी सराफ को एमपीसीएसटी द्वारा सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान विदिशा में आयोजित 38वीं यंग साइंटिस्ट कांग्रेस में यंग अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

पूर्णिमा अग्रवाल को प्रथम स्थान उनकी रिसर्च सेरेमाइड एडजंक्टेडमूको अधेसिव ड्रग डिलीवरी सिस्टम्स फार सिनर्जिस्टिक इन्हेंसमेंट आफ़ ओरल कैंसर केमोथेरेपी एवं शिवानी सराफ को' दूसरा' स्थान उनकी रिसर्च स्मार्ट लाइपोसोमबियरिंगए केमोथेरापीटिक एजेंट एंड एनेचुरल एपोटोसिस माइयू लेटर फार इफेक्टिव इंटर सेलुअरडिलीवरी टूदसालिडट्यूमर आइजे एमपी सीएसटी के डायरेक्टर एवं सम्राट अशोक प्रौद्योगिकी संस्थान विदिशा के कुलपति द्वारा यह सम्मान दिया गया। पूर्णिमा अग्रवाल ने यह शोध अध्ययन विवि के भैषजिक विज्ञान विभाग में पीएचडी के दौरान प्रो.वंदना सोनी के निर्देशन में किया एवं शिवानी सराफ ने यह शोध अध्ययन प्रो. संजय के जैन के निर्देशन में किया है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय कुलगुरु प्रो. नीलिमा गुप्ता, विभागाध्यक्ष विभाग के समस्त शिक्षकों अपने माता पिता ज्योत्सना अग्रवाल- अशोक अग्रवाल को दिया।

विवि में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी हुई

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 और प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) के पुनर्जीवन का आयोजन 20-21, मार्च 2023 किया गया जिसका उद्घाटन सत्र दिनांक 20 मार्च को श्रीमंत राजमाता विजय राजे स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, साँची विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नीरजा गुप्ता एवं राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान की अध्यक्ष प्रो सरोज शर्मा, शिक्षाशास्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ रश्मि जैन एवं आयोजक सचिव डॉ धर्मेन्द्र कुमार सर्राफ मौजूद रहे। अतिथियों के औपचारिक स्वागत के पश्चात विश्वविद्यालय की कुलपति ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षाशास्त्र विभाग बहुत ही प्रासंगिक विषय पर यह सेमिनार आयोजित कर रहा है। प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) एक बहुत ही महत्वपूर्ण प्रावधान है जिसे सर्वप्रथम राष्ट्रीय शिक्षा नीति जमीं पर उतारने का कार्य कर रही है। कुलपति ने अपने उद्बोधन में विभाग की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा कि अक्टूबर 2021 में शिक्षा मंत्रालय ने 4 वर्षीय एकीकृत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी) को अधिसूचित किया है। जो एक दोहरी प्रमुख समग्र स्नातक डिग्री है जिसके तहत बी.ए.एड./बी.एससी. बी.एड और बी.कॉम.बी.एड. पाठ्यक्रम पेश किया गया। कुलपति ने बच्चों को सीखने-सीखाने की नई-नई प्रविधियों का जिक्र करते हुए बताया कि शिक्षाशास्त्र विभाग प्रतिवर्ष सामुदायिक कार्यों का आयोजन बड़े ही बेहतरीन तरीके से कर रहा है। मुख्य बीज वक्ता प्रो सरोज शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को भारतीयता से ओत-प्रोतबताते हुए टॉय बेस्ड शिक्षण-शास्त्र की चर्चा की। मुख्य अतिथि नीरजा गुप्ता ने प्रारंभिक बचपन की देखभाल और शिक्षा के महत्व की चर्चा की और ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य मे नीति का वैज्ञानिक विश्लेषण किया। उद्घाटन सत्र के अंत में स्मारिका का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ धर्मेन्द्र कुमार सर्राफ एवं आभार डॉ अभिषेक कुमार प्रजापति ने किया। प्रथम दिवस के शाम को सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया।

विधि विभाग में दी शहीदों को श्रद्धांजलि

सागर. केंद्रीय विश्वविद्यालय में गुरुवार को विधि विभाग द्वारा शहीद भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव का बलिदान दिवस मनाया गया। मूटकोर्ट भवन में आयोजित कार्यक्रम में आजादी के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीदों को विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा पुष्पांजलि अर्पित कर भाषण-रचनाओं का पाठ किया गया। विधि विभाग में शहीदों की याद में संपन्न हुए आयोजन की अध्यक्षता डॉ. ललित मोहन ने की, जबकि अतिथि विद्वान भरत कुमार, विभाग की लाइब्रेरियन डॉ.संध्या बोहरे मौजूद रहीं। आयोजन में दौरान डॉ. राममनोहर लोहिया को भी याद कर उनके समाजवादी चिंतन पर चर्चा की गई। छात्रा पूजा लोधी ने गीत प्रस्तुत किया जिसके बाद शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

विवि : 8 विद्यार्थियों को मप्र यंग साइंटिस्ट फैलोशिप, ट्रेनिंग होगी

भास्कर संवाददाता | सागर

मध्यप्रदेश यंग साइंटिस्ट फैलोशिप की डिग्री के साथ शोधार्थी।

मध्यप्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी एवं सम्राट अशोक टेक्नोलॉजिकल इंस्टिट्यूट विदिशा के संयुक्त तत्वावधान में 38वीं मध्यप्रदेश यंग साइंटिस्ट कांग्रेस हुई। डॉ. हरीसिंह गौर विश्विविद्यालय के भौतिक शास्त्र विभाग से शोधार्थी प्रवीण कुमार लिटौरिया, सतीश गुप्ता, प्रेरणा . गुप्ता, पुष्पांजलि पटेल, सुजाता यादव, अंकिता दुबे, पूजा अहीरवार, सुशील बेहरा को उनके शोध कार्य प्रदर्शन के लिये फेलोशिप फॉर ट्रेनिंग ऑफ यंग साइंटिस्ट से सम्मानित किया गया। प्रवीण डीन प्रो. आशीष वर्मा के निर्देशन में तो सतीश, अंकिता एवं पूजा विभागाध्यक्ष प्रो. रणवीर कुमार के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। जबकि प्रेरणा, पुष्पांजलि और सुजाता डॉ. रेखा गर्ग सोलंकी के निर्देशन में तो सुशील बेहरा डॉ. महेशवर पंडा के निर्देशन में शोध कर रहे हैं। प्रो. आशीष वर्मा ने बताया यंग साइंटिस्ट को 6 महीने की ट्रेनिंग एवं 20 हजार रुपए मासिक फैलोशिप काउंसिलकी तरफ से दी जाएगी।

मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक एसोसिएशन की 32वीं कांफ्रेंस 27 से, विवि को चौथी बार मिली मेजबानी

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक संघ की 2 दिवसीय 32वीं वार्षिक कांफ्रेंस 27 और 28 मार्च को होगी। अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में होने वाली कांफ्रेंस के विषय एमएसएमई सेक्टर इन इंडिया : इश्यू एंड चैलेंज और स्किल डेवलपमेंट इन मध्यप्रदेश विषय हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. उत्सव आनंद ने बताया कांफ्रेंस में मध्यप्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, हिमाचल, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात एवं अन्य राज्यों सहित देश भर से 350 से अधिक प्रतिभागी शामिल होंगे। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता होंगी। अध्यक्षता डीएसडब्ल्यू प्रो.एडी शर्मा करेंगे। कांफ्रेंस में पहली बार विद्यार्थियों को भी शामिल किया जा रहा है, उनके पंजीयन भी हो रहे हैं। पूर्व अध्यक्ष प्रो. केसी जैन ने बताया मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक संघ की विवि में होने वाली यह चौथी कांफ्रेंस है। सेमिनार 6 सत्रों में बांटा गया है। इस दौरान संघ की कार्यकारिणी के चुनाव भी होंगे। अगले आयोजन की मेजबानी किसे मिलेगी, यह भी तय होगा।

स्किल डेवलपमेंट पर होगा सेमिनार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ.हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय में मप्र रीजनल इकॉनोमिक्स एसोसिएशन (एमपीआरइए/ एमपीइए) द्वारा दो दिवसीय सेमिनार का आयोजन 27-28 मार्च को किया जाएगा। यह एसोसिशन का 32वां और विश्वविद्यालय में होने वाला यह चौथा वार्षिक सेमिनार होगा। दो दिवसीय सेमिनार छह सत्रों में बांटा गया है। इसमें पहले दिन सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़े मसलों और चुनौतियों, जबकि दूसरे दिन मप्र में कौशल विकास के संदर्भ में विशेषज्ञों के संबोधन होंगे। केंद्रीय विश्वविद्यालय के इकॉनोमिक्स विभाग के प्रमुख एवं आयोजन समिति सचिव प्रो.उत्सव आनंद ने बताया कि दो दिवसीय सेमिनार में प्रदेश के अलावा पंजाब, हरियाणा, उप्र, हिमाचल, छत्तीसगढ़, राजस्थान, गुजरात सहित अन्य राज्यों सहित देशभर से 350 से अधिक लोग शामिल होने का अनुमान है। इसके लिए पंजीयन किए जा रहे हैं। सेमिनार में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगी, जबकि प्रो.एडी शर्मा अध्यक्षता करेंगे। सेमिनार की मुख्य थीम सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों से जुड़े मसलों और चुनौतियों पर होगी। इसके तहत आर्थिक विकास में इन उद्योगों की भूमिका, महिलाओं को उद्यमशील बनाने में इस सेक्टर का योगदान, नई उपलब्धियां, प्रशिक्षण से रोजगार की उपलब्धता पर भी चर्चा होगी।

उच्च शिक्षा के ढांचे में आवश्यक संशोधन करने होंगे : कुलपति

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेघालय में आयोजित भारतीय विश्वविद्यालय संघ के 97वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन और वाइस चांसलर्स मीट का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के लिए किए गए प्रावधानों और उसके क्रियान्वयन के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। आज उच्च शिक्षा परिवर्तनकारी भूमिका में है। बदलते समय और समाज की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें उच्च शिक्षा के ढांचे में आवश्यक संशोधन करने चाहिए।

कार्यक्रम में शामिल होकर विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने अपने विचार रखे। ● नवदुनिया

प्रो. गुप्ता ने शिमनिमम गवर्नमेंट एन्ड मैक्सिमम गवर्नेंस. व्हाट डज इट मीन्स फ़ार यूनिवर्सिटीज थीम पर हेकी के आदर्श प्रतिरूप विषय पर उद्बोधन देते हुए प्रश्नों का समाधान भी किया।

सम्मेलन में शामिल हो रहे चार सौ से ज्यादा कुलपतिः यहां 23 से 25 मार्च तक आयोजित इस सम्मेलन में 400 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति सहभागिता कर रहे हैं।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया। इस अवसर पर असम सरकार के शिक्षा मंत्री डा. रानोज पेगू एवं प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डा. विवेक देव राय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के विभिन्न पदाधिकारी प्रतिनिधि एवं 400 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे।

नई शिक्षा नीति से आत्मनिर्भर हो सकेगा भारत : कुलपति गुप्ता

मेघालय में हुए राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन में कुलपति नीलिमा गुप्ता शामिल हुईं।

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेघालय में हुए भारतीय विश्वविद्यालय संघ के 97वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन और वाइस चांसलर्स मीट में सहभागिता की। सत्र में उन्होंने कहा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में उच्च शिक्षा के लिए किए गए प्रावधानों और उसके क्रियान्वयन के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। आज उच्च शिक्षा परिवर्तनकारी भूमिका में है। बदलते समय और समाज की आवश्यकताओं को देखते हुए हमें उच्च शिक्षा के ढांचे में आवश्यक संशोधन करने चाहिए। प्रो. गुप्ता ने मिनिमम गवर्नमेंट एंड मैक्सिमम गवर्नेंस- व्हाट डज इट मीन्स फॉर यूनिवर्सिटीज थीम पर हेकी के आदर्श प्रतिरूप विषय पर बोलते हुए प्रश्नों का समाधान भी किया। सम्मेलन में 400 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति ने सहभागिता की। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया। इस मौके पर असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रानोज पेगू एवं प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ. विवेक देवराय आदि मौजूद थे।

उच्च शिक्षा की परिवर्तनकारी भूमिका से बनेगा आत्मनिर्भर भारतः कुलपति

सागर, आचरण। डॉ. हरीसिंह गौर केंद्रीय विवि की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने मेघालय में आयोजित भारतीय विवि संघ (A I U) के 97वें राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन और वाइस चांसलर्स मीट में सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में उच्च शिक्षा के लिए किए गए प्रावधानों और उसके क्रियान्वयन के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार होगा। आज उच्च शिक्षा परिवर्तनकारी भूमिका में है। बदलते समय और समाज की आवश्यकताओं को दृष्टिगत रखते हुए हमें उच्च शिक्षा के ढांचे में आवश्यक संशोधन करने चाहिए। प्रो. गुप्ता ने मिनिमम गवर्नमेंट एन्ड मैक्सिमम गवर्नेंस- व्हाट डज इट मीन्स फ़ॉर यूनिवर्सिटीज थीम पर HECI (हेकी) के आदर्श प्रतिरूप विषय पर उद्बोधन देते हुए प्रश्नों का समाधान भी किया। 23 से 25 मार्च तक आयोजित इस सम्मेलन में 400 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति सहभागिता कर रहे हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित इस सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया। इस अवसर पर असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ रानोज पेगू एवं प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के अध्यक्ष डॉ विवेक देवराय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ के विभिन्न पदाधिकारी, प्रतिनिधि एवं 400 से अधिक विश्वविद्यालयों के कुलपति मौजूद थे।

विश्वविद्यालय • मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक परिषद का दो दिवसीय 32वां अधिवेशन शुरू

अर्थव्यवस्था का विकास बिना रोजगार के ही हो रहा है जो सतत विकास के लिए ठीक नहीं: प्रो. जैन

भास्कर संवाददाता|सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग के तत्वावधान में दो दिवसीय मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक परिषद का 32वां अधिवेशन का शुभारंभ सोमवार को हुआ। सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों की स्थिति एवं चुनौतियां एवं मध्य प्रदेश में कौशल विषय की थीम पर देशभर के विद्वानों के 60 शोध पत्र इसमें शामिल हुए। जबकि देश भर के 150 अर्थशास्त्री जुड़े।

मुख्य अतिथि प्रो. केवल जैन ने कहा भारत की अर्थव्यवस्था का विकास बिना रोजगार के ही हो रहा है जो सतत विकास के लिए ठीक नहीं है। जब तक हम अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को साथ लेकर विकास नहीं करेंगे तब तक विकास कोई मायने नहीं है। हम चाहे कितनी अच्छी सड़क, भवन एवं तकनीकी विकास कर लें, यह तब तक अधूरे हैं जब तक हम जनसंख्या विभाजन के लाभों को प्राप्त नहीं कर लेते। हमें सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगों को विशेष अनुदान देने की आवश्यकता है, तभी हमारे ये उद्योग बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतियोगिता करने लायक बन पाएंगे। हमें यह भी चिंता करनी होगी कि हमारे कितने उद्योग धंधें प्रति वर्ष बंद हो रहे हैं। हम केवल नए उद्योगों की चर्चा करते हैं जो ठीक बात नहीं है। आज हमें उद्योगों की विकास की सच्चे अर्थों में बात करनी ही होगी। इसलिए हमें चाहिए कि हम अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए अधिक से अधिक रोजगार देने वाली नीतियां बनाने की बात करें। तभी मांग का सिद्धांत लागू हो पाएगा। देश की अर्थव्यवस्था गरीबी के दुष्चक्र से बाहर निकल सकेगी। विशेष अतिथि प्रो. एसके शुक्ला ने कहा कि हमें आर्थिक विकास के लिए आधुनिक तकनीक के साथ साथ परंपरागत तकनीकी को भी साथ लेकर चलने की जरूरत है। मध्यप्रदेश आर्थिक परिषद के अध्यक्ष प्रो. सत्येंद्र मिश्र ने कहा हमारी अर्थव्यवस्था कोरोना से प्रभावित है, उसको संकटों से बहार निकलने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है, केवल हम सरकार से आशा रखकर विकास नहीं कर सकते हैं। प्रो. कन्हैया आहूजा ने कहा मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक परिषद को राज्य नीति एवं योजना आयोग से मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है।

विशेष अतिथि प्रॉक्टर प्रो. चंदा बेन ने कहा कौशल निर्माण हर पीढ़ी में होता रहा है आज उसमें सुधार की ओर अधिक आवश्यकता है, जब तक हम सुधार को ठीक से क्रियान्वित नहीं करेंगे। तब तक हम नई पीढ़ी की आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं कर पाएंगे। इसलिए हमें सतत आर्थिक विकास के लिए कौशल निर्माण करना बहुत जरूरी है। प्रो. जेपी मिश्र ने कहा आज हमें आत्मनिर्भरता के लिए एमएसएमई एवं कौशल विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है। कौशल निर्माण ही सूक्ष्म एवं लघु उद्योग की नींव है। स्वागत भाषण प्रो. उत्सव आनंद ने दिया। मंच संचालन डॉ. वीणा थावरे, डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया, प्रतीक्षा जैन एवं डॉ शालिनी थरानी ने किया। आभार डॉ. केशव टेकाम ने माना। कार्यक्रम में प्रो. जीएम दुबे, प्रो. केके श्रीवास्तव, प्रो. राजवीर किरार, प्रो. शैलेश चौबे, प्रो. विभा वासुदेव आदि मौजूद थे। मंगलवार को अधिवेशन के दो सत्र में शेष शोधपत्र पढ़े जाएंगे।

युवा अर्थव्यवस्था को समझने के लिए शोध कार्य करें: प्रो. कठल : अध्यक्षता कर रहे प्रभारी कुलपति प्रो. पीके कठल ने कहा मुझे खुशी हो रही है कि हमारे देश के अर्थशास्त्री देश की आर्थिक समस्याओं पर विचार करने एकत्रित हुए हैं और दो दिवसीय सेमिनार में सभी अर्थशास्त्री मिलकर किसी अच्छे निष्कर्ष पर पहुंचेंगे। जो देश की नीति बनाने में अवश्य ही काम आएंगे। मैं चाहूंगा कि देश के युवा अर्थव्यवस्था को समझने के लिए अधिक से अधिक शोध कार्य करें, तभी हम आर्थिक समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं।

सेमिनार केंद्रीय विश्वविद्यालय में पहले दिन पढ़े गए 17 शोध पत्र, अहम कारकों पर अर्थशास्त्रियों ने किया चिंतन

'रोजगारविहीन वृद्धि से नहीं होगा भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग सोमवार से शुरू हुए दो दिवसीय सेमिनार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों की स्थिति एवं चुनौतियां और मप्र में कौशल विषयों पर देश के अलग- अलग राज्यों से आए विद्वानों ने 60 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए। पहले दिन चार सत्रों में 17 शोध पत्र पढ़े गए।

अर्थशास्त्र विभाग में आयोजित सेमिनार के उद्घाटन सत्र में प्रो.केवल जैन अपने संबोधन में कहा भारत की अर्थव्यवस्था का विकास बिना रोजगार के ही हो रहा है जो सतत विकास के लिए ठीक नहीं है। जब तक हम अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को साथ लेकर आगे नहीं बढ़ेंगे तब तक विकास के कोई मायने नहीं है। हम चाहे कितनी अच्छी सड़क, भवन एवं तकनीकी विकास कर लें, यह तब तक अधूरे हैं जब तक हम जनसंख्या विभाजन के लाभों को प्राप्त नहीं करते। हमें सूक्ष्म- लघु एवं मध्यम उद्योगों को विशेष अनुदान देने की आवश्यकता है तभी ये उद्योग बहुराष्ट्रीय कंपनियों से प्रतियोगिता करने लायक बनेंगे। यह भी चिंता करनी होगी कि कितने उद्योग-धंधे हर साल बंद हो रहे हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में सेमिनार में उपस्थित अतिथि।

अभी केवल नए उद्योगों की चर्चा हो रही है जो ठीक नहीं है।

प्रो.एसके शुक्ला ने कहा कि हमें आर्थिक विकास के लिए आधुनिक तकनीक के साथ साथ परम्परागत साधनों को भी साथ लेकर चलना होगा। मप्र आर्थिक परिषद के अध्यक्ष प्रो.सत्येंद्र मिश्र ने कहा हमारी अर्थव्यवस्था कोरोना से प्रभावित हैं, उसको संकटों से बहार निकलने के लिए सामूहिक प्रयास करने की आवश्यकता है। केवल सरकार से आशा रखकर विकास नहीं कर सकते हैं। प्रो. पीके कठल ने कहा आज हमारे अर्थशास्त्री देश की समस्याओं पर विचार करने यहां एकत्रित हुए हैं। दो दिवसीय सेमिनार में हम किसी अच्छे निष्कर्ष पर पहुंचेंगे जो नीति बनाने में काम आएंगे।

देश के युवा अर्थव्यवस्था को समझने के लिए अधिक से अधिक शोध कार्य करें तभी हम आर्थिक समस्याओं से मुक्ति पा सकते हैं। प्रो.कन्हैया आहूजा ने कहा कि मप्र क्षेत्रीय आर्थिक परिषद को राज्य नीति एवं योजना आयोग से मिलकर कार्य करने की आवश्यकता है। कुलानुशासक प्रो.चंदा बेन ने कहा कौशल निर्माण हर पीढ़ी में होता रहा है, उसमें सुधार की आवश्यकता है। प्रो.जेपी मिश्र ने कहा कि हमें आत्मनिर्भरता के लिए एमएसएमई एवं कौशल विकास पर ध्यान देना होगा। सेमिनार के शुभारंभ अवसर पर प्रो. उत्सव आनंद ने स्वागत भाषण पढ़ा जबकि मंच संचालन डॉ.वीणा थावरे, डॉ. वीरेंद्र मटसेनिया, प्रतीक्षा जैन एवं डॉ. शालिनी चौंयरानी ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. केशव टेकाम ने आभार माना। सेमिनार में प्रो.जीएम दुबे, प्रो.केके श्रीवास्तव, प्रो. राजवीर किरार, प्रो.शैलेष चौबे, प्रो.विभा वासुदेव उपस्थित रहे। मंगलवार 28 मार्च को भी सेमिनार के दूसरे दिन भी शोधपत्रों का वाचन होगा।

क्षेत्रीय आर्थिक परिषद की संगोष्ठी

नवभारत न्यूज

सागर 27 मार्च. डॉ हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय मध्यप्रदेश क्षेत्रीय आर्थिक परिषद की 32वी संगोष्ठी का शुभारंभ हुआ.

जिसकी विषयवस्तु सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों की स्थिति एवं चुनौतियां एवं मध्य प्रदेश में कौशल. इन थीमों पर देशभर के विद्वानों के 60 शोध पत्र प्राप्त हुए. सेमिनार में कुल चार तकनीकी सत्र आयोजित किये गए. जिसमें 17 शोध पत्रो का प्रस्तुतीकरण सम्पन्न हुए. अधिवेशन में देशभर से 150 से अधिक अर्थशास्त्री एकत्रित हुए. उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो केवल जैन ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था का विकास बिना रोजगार के ही हो रहा है जो सतत विकास के लिए ठीक नहीं है.

जब तक है हम अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति को साथ लेकर विकास नहीं करेंगे तब तक विकास कोई मायने नहीं है, हम चाहे कितनी अच्छी सड़क, भवन एवं तकनीकी विकास कर लें यह तब तक अधुरी जब तक हम जनसंख्या विभाजन के लाभों को प्राप्त नहीं कर लेते. हमें सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगों को विशेष अनुदान देने की आवश्यकता है.

युवा पीढ़ी को कौशल में निपुण करने की आवश्यकता : प्रो जैन

विवि में दो दिवसीय संगोष्ठी का समापन हुआ। ● नवदुनिया

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में मंगलवार को दो दिवसीय मप्र क्षेत्रीय आर्थिक परिषद की 32 वी संगोष्ठी का समापन हुआ। संगोष्ठी की विषयवस्तु सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्योगों की स्थिति एवं चुनौतियां एवं मध्य प्रदेश में कौशल था। इन दोनों थीमों पर दो दिन में देशभर के विद्वानों के 60 शोध पत्र प्राप्त हुए। सेमिनार में कुल छह तकनीकी सत्र आयोजित किए गए जिसमें कुल 26 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण हुआ। अधिवेशन में देशभर से 150 से अधिक अर्थशास्त्री एकत्रित हुए।

समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. केवल जैन ने कहा कि देश की युवा पीढ़ी को अधिक से अधिक कौशल में निपुण करने की आवश्यकता है। हमें आधारभूत उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों के सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्योगों को उन्नत करना होगा। युवाओं को सामाजिक समस्याओं की ओर उन्मुख करते हुए अधिक से अधिक शोध कराने होंगे। प्रो. एसके शुक्ल ने कहा कि आज हमारी दो दिवसीय संगोष्ठी हुई। हम जल्द ही इस गोष्ठी से मिले सुझावों को लिखित रूप में तैयार कर सरकार की ओर प्रेषित करेंगे, जिससे कि आमजन की समस्याओं को ठीक से हल किया जा सके। सभी अर्थशास्त्रियों, शोधार्थियों का प्रो. उत्सव आनंद ने आभार व्यक्त किया गया। मंच का संचालन डा. वीरेंद्र सिंह मटसेनिया एवं वीना थावरे ने किया। कार्यक्रम में प्रो. केके श्रीवास्तव, विनोद सेन, प्रो कन्हैया आहूजा, प्रो जेपी मिश्रा, एसके मिश्रा, केशव टेकाम, वीरेंद्र सिंह मटसेनिया, वीना थावरे आदि मौजूद थे।

विश्व रंगमंच दिवस : विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों ने मोहन राकेश के नाटक आधे अधूरे की दी प्रस्तुति, कविता, संवाद भी हुए

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ललितकला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग में विश्व रंगमंच दिवस मनाया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. ललित मोहन ने विद्यार्थियों को वर्तमान में रंगमंच शिक्षा के महत्व की प्रासंगिकता बताकर मार्गदर्शन दिया। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशुतोष ने जीवन और रंगमंच से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियां बताकर छात्रों को रंगमंच की गंभीरता का साक्षात्कार कराया। मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने रंगमंच की यादों को विद्यार्थियों के साथ साझा कर रंगमंच पर उनका हौसला बढ़ाया। सहायक प्राध्यापक अल्ताफ मुलानी ने इजिप्त की अभिनेत्री सामिहा आयूब द्वारा विश्व रंगमंच दिवस 2023 पर दिए गए रंगमंच संदेश का वाचन किया। कार्यक्रम का सूत्र संचालन छात्रा दीक्षा मौर्य एवं प्रिया गोस्वामी ने किया। विभाग के पूर्व एवं वर्तमान छात्रों द्वारा अभिनय और कविता पाठ की प्रस्तुतियां दी गई। सना खान ने मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक आधे अधूरी के पात्र मल्लिका की एकल स्पीच की प्रस्तुति दी। प्रशांत और पूर्वा द्वारा स्वलिखित कविताओं की प्रस्तुति दी। बादल रायकवार और दीक्षा मौर्य ने विजय तेंदुलकर लिखित एवं विभाग के सहायक प्राध्यापक मुलानी द्वारा निर्देशित चर्चित नाटक सखाराम बाइंडर के एक दृश्य की प्रस्तुति दी।

ललितकला एवं प्रदर्शनकारी कला विभाग में विश्व रंगमंच दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया

आचरण संवाददाता

सागर। दिनांक 23 मार्च 2023 को ललितकला एवं प्रदर्शनकारी कारी कला विभाग, डॉक्टर हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व रंगमंच दिवस पूरे हर्षो उल्लास से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. ललित मोहन द्वारा छात्रों को वर्तमान में रंगमंच शिक्षा के महत्व की प्रासंगिकता बताकर बहुमूल्य मार्गदर्शन किया गया। तत्पश्चात हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक तथा युवा कथाकार डॉ. आशुतोष द्वारा छात्रों को जीवन और रंगमंच से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियां बताकर छात्रों को रंगमंच की गंभीरता का साक्षात्कार कराया. उसके बाद पत्रकारिता विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने अपने निजी जीवन से जुड़ी रंगमंच की सुंदर यादों को छात्रों के साथ साझा कर रंगमंच विषय बावत छात्रों का हौसला बढ़ाया और अंत में विभाग के सहायक प्राध्यापक अल्ताफ मुलानी द्वारा इजिप्त की प्रसिद्ध अभिनेत्री सामिहा आयूब के द्वारा विश्व रंगमंच दिवस 2023 के अवसर पर दिए गए रंगमंच संदेश का प्रकट वाचन किया. इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु कार्यक्रम का सुंदर सूत्र संचालन विभाग की पूर्व छात्रा दीक्षा मौर्य एवं वर्तमान छात्रा प्रिया गोस्वामी द्वारा किया गया. तत्पश्चात विभाग के पूर्व छात्र एवं वर्तमान छात्रों द्वारा अभिनय और कविता पाठ की प्रस्तुतियां दी गई। जिसमे विभाग की पूर्व छात्रा सना खान ने मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक 'आधे अधूरे' के पात्र 'मल्लिका' की बेहतरीन एकल स्पीच प्रस्तुत कर सभी उपस्थितियों के आंखों को आसूंओं से नाम कर दिया उसके बाद विभाग के वर्तमान छात्र प्रशांत और पूर्वा द्वारा स्वलिखित कविताओं की प्रस्तुति कर दर्शकों की वाहवा लुट ली. कार्यक्रम के अंत में विभाग के पूर्व छात्र बादल रायकवार और छात्रा दीक्षा मौर्य ने विजय तेंदुलकर लिखित एवं विभाग के सहायक प्राध्यापक अल्ताफ मुलानी द्वारा निर्देशित चर्चित नाटक सखाराम बाइंडर के एक दृश्य की प्रस्तुति कर उपस्थित सभी मान्यवरों एवं छात्रों का दिल जीत लिया. विभाग के लगभग सभी छात्र छात्राओं ने हर्षों उल्लास से इस कार्यक्रम भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई.

विद्यार्थियों को बताईं रंगमंच से जुड़ी बारीकियां

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के ललितकला एवं प्रदर्शनकारी कारी कला विभाग में विश्व रंगमंच दिवस हर्षोल्लाष पूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डा. ललित मोहन ने छात्रों को वर्तमान में रंगमंच शिक्षा के महत्व की प्रासंगिकता बताकर बहुमूल्य मार्गदर्शन दिया गया। हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक व युवा कथाकार डा. आशुतोष ने छात्रों को जीवन और रंगमंच से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियां बताकर छात्रों को रंगमंच की गंभीरता का साक्षात्कार कराया।

विश्व रंगमंच दिवस पर नाटक की प्रस्तुति देते हुए विद्यार्थी। ● नवदुनिया

इस दौरान पत्रकारिता विभाग के सहायक प्राध्यापक एवं विश्वविद्यालय के मीडिया अधिकारी डा. विवेक जायसवाल ने अपने निजी जीवन से जुड़ी रंगमंच की सुंदर यादों को छात्रों के साथ साझा कर रंगमंच विषय पर छात्रों का हौसला बढ़ाया। अंत में विभाग के सहायक प्राध्यापक अल्ताफ मुलानी ने इजिप्त की प्रसिद्ध अभिनेत्री सामिहा आयूब ने रंगमंच संदेश का प्रकट वाचन किया।

कविता पाठ की प्रस्तुति : विभाग के पूर्व छात्र एवं वर्तमान छात्रों ने अभिनय और कविता पाठ की प्रस्तुतियां दी। जिसमें पूर्व छात्रा सना खान ने मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक 'आधे अधूरे' के पात्र 'मल्लिका' की बेहतरीन एकल स्पीच प्रस्तुत की। इसके बाद विभाग के वर्तमान छात्र प्रशांत और पूर्वा द्वारा स्वलिखित कविताओं की प्रस्तुति दी जिसे दर्शकों ने काफी सराहा। कार्यक्रम को सफल बनाने संचालन दीक्षा मौर्य एवं प्रिया गोस्वामी ने किया गया।

विश्व रंगमंच दिवस मनाया गया

नवभारत न्यूज

सागर 28 मार्च. ललितकला एवं प्रदर्शनकारी कारी कला विभाग डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व रंगमंच दिवस मनाया गया.

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. ललित मोहन द्वारा छात्रों को वर्तमान में रंगमंच शिक्षा के महत्व की प्रासंगिकता बताया. हिंदी विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. आशुतोष द्वारा छात्रों को जीवन और रंगमंच से जुड़ी महत्वपूर्ण बारीकियां बताईं. मीडिया अधिकारी डॉ. विवेक जायसवाल ने अपने निजी जीवन से जुड़ी रंगमंच की सुंदर यादों को छात्रों के साथ साझा किया. सहायक प्राध्यापक अल्ताफ मुलानी ने वाचन किया. कार्यक्रम का संचालन दीक्षा मौर्य एवं प्रिया गोस्वामी द्वारा किया गया. पूर्व छात्र एवं वर्तमान छात्रों द्वारा अभिनय और कविता पाठ की प्रस्तुतियां दी गई.

पूर्व छात्रा सना खान ने मोहन राकेश द्वारा लिखित नाटक को स्पीच प्रस्तुत की. छात्र प्रशांत और पूर्वा द्वारा स्वलिखित कविताओं की प्रस्तुति दी.

विवि की सड़क अब ज्ञान मार्ग कहलाएगी, नामकरण किया

कुलपति बोलीं-ये नाम समृद्ध ज्ञान विरासत के परिचायक होंगे

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न मार्गों एवं पथ के नाम पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न मार्गों के नाम समृद्ध ज्ञान, विरासत के परिचायक होंगे। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों को दर्शित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सीखने सिखाने के अवसर कक्षाओं में ही नहीं बल्कि कक्षाओं के बाहर भी जीवंत रूप में विद्यमान होंगे। विश्वविद्यालय ज्ञान के सजग प्रतिनिधि होते हैं। परिसर से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समझ विकसित हो, यही मार्गों के नामकरण का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने ज्ञान मार्ग के नाम पट्टिका का अनावरण किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. रंजन कुमार प्रधान, डॉ. कालीनाथ झा, डॉ. संजय शर्मा, डॉ. राकेश सोनी, डॉ. आशुतोष आदि मौजूद थे।

विवि के शिवम को बेस्ट रिसर्च अवॉर्ड मिला

सागर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग के छात्र शिवम कोरी को बेस्ट रिसर्च के अवार्ड से सम्मानित किया गया है. महाकाल इंस्टिट्यूट फार्मास्युटिकल साइंस उज्जैन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस न्यू हारीजन इन ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट रू रिसेंट इसूजए में ओरल प्रजेंटेशन के दौरान शिवम को चयनित कर उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया गया. गढ़ाकोटा निवासी शिवम कोरी विवि में नोवल नाइट्रोजन कन्टेनिंग हीट्रोसाईकल कंपाउंड की सिंथेसिस और एंटी.कैंसर प्रभाव पर, प्रो. सुशील कुमार काशव और प्रो. अस्मिता गजभिये पाटिल के सुपरविजन में रिसर्च कर रहे हैं.

रामचरित मानस भारतीय संस्कृति का प्रमुख स्त्रोत

सागर. प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय द्वारा रामचरित मानस में अंतर्निहित जीवन-प्रबंध एवं सफलता के सूत्र विषय पर आमंत्रित व्याख्यान-श्रृंखला के अंतर्गत सारस्वत-व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ. मुख्य वक्ता प्रो. ब्रजेश कुमार श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग ने कहा कि रामचरित मानस, प्राचीन भारतीय संस्कृति के बारे में जानकारी का प्रमुख साहित्यिक स्त्रोत है, रामचरित मानस में अंतर्निहित जीवन-प्रबंध एवं सफलता के सूत्र आज भी प्रासंगिक हैं. श्रीराम के चरित्र में जीवन दर्शन का सार निहित है. कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी एवं संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने की. आभार विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने माना. संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव ने संचालन किया.

सांस्कृतिक मूल्यों से अनुप्राणित होगा विश्वविद्यालय परिसरः कुलपति

सागर, देशबन्धु। डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न मार्गों एवं पथ के नाम पट्टिका का अनावरण करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न मार्गों के नाम समृद्ध ज्ञान विरासत के परिचायक होंगे। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों को दर्शित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सीखने सिखाने के अवसर कक्षाओं में ही नहीं अपितु कक्षाओं के बाहर भी जीवंत रूप में विद्यमान होंगे। विश्वविद्यालय ज्ञान के सजग प्रतिनिधि होते हैं। परिसर से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समझ विकसित हो, यही मार्गों के नामकरण का प्रमुख उद्देश्य है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ.रंजन कुमार प्रधान, डॉ.कालीनाथ झा, डॉ. आशुतोष सहित कई शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

केंद्रीय विश्वविद्यालय में सारस्वत व्याख्यान श्रृंखला का आयोजन

'रामचरित मानस में अंतर्निहित जीवन प्रबंध के सूत्र आज भी हैं प्रासंगिक'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ.हरि सिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित 'रामचरित मानस में अंतर्निहित जीवन-प्रबंध एवं सफलता के सूत्र' विषय पर आमंत्रित व्याख्यान-श्रृंखला में सारस्वत-व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

सागर. 'रामचरित मानस में अंतर्निहित जीवन-प्रबंध एवं सफलता के सूत्र' विषय पर बोलते अतिथि। कार्यक्रम में मौजूद लोग।

इस आमंत्रित-व्याख्यान के सारस्वत अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि 'रामचरित मानस, प्राचीन भारतीय संस्कृति के बारे में जानकारी का प्रमुख साहित्यिक स्रोत है। मानस में अंतर्निहित जीवन-प्रबंध एवं सफलता के सूत्र आज भी प्रासंगिक हैं। श्रीरांम के चरित्र में जीवन दर्शन का सार निहित हैं। उनका व्यक्तित्व भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्यों में एक आदर्श प्रतिमान के रूप में प्रेरणा देता है। उनसे हमें कर्तव्यपरायण, त्याग, परोपकार एवं सत्य के संदेश प्राप्त होते हैं।

कार्यक्रम के अध्यक्ष संस्कृत विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा कि 'रामचरित मानस की प्रासंगिकता आज के समय में और अधिक हो गयी है।' विभागाध्यक्ष प्रो. नागेश दुबे ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार माना, जबकि संयोजक डॉ. सुरेन्द्र कुमार यादव ने संचालन किया। इस अवसर पर प्रो. अनुपमा कौशिक, डॉ. केके त्रिपाठी, डॉ.शशि कुमार सिंह, डॉ. संजय बरोलिया, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. प्रीति खण्डारे, डॉ.संजय कुमार डॉ.रामहेत गौतम, डॉ. किरण आर्या, डॉ. शुकदेव बाजपेयी, डॉ. शिवकुमार पारोचे, डॉ. मशकूर अहमद कादरी, डॉ. दीपक मोदी, डॉ. सत्यनारायण देवलिया, डॉ. नरेन्द्र बौद्ध, डॉ.राजबहादुर छत्री, सुजीत गोस्वामी, डॉ. गोविन्द सिंह दांगी, मनीषा तिवारी, यामिनी योगी, कीरत अहिरवार, आनन्द जायसवाल, भरत यादव, संजय आठिया, रविन्द्र चैरसिया, कुशाग्र सोलंकी, आदिल खान, हाशिम खान एवं राजेन्द्र रजक व विभिन्न विभागों के शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला छात्रों को नौकरी व विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ाने होगी सहायक

सागर(नवदुनिया प्रतिनिधि)। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में (सीएआर) भौतिकी शास्त्र विभाग द्वारा भू-गर्भ शास्त्र विभाग के बाडिया हाल में एनएमआर और एक्स. आरडी पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजन में विवि के छात्रों ने ही नहीं बल्कि अन्य विवि के छात्रों ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विभिन्न मार्गों के नाम पट्टिका का अनावरण किया। ● नवदुनिया

कार्यशाला के मुख्य अतिथि प्रोफेसर आरवी होजूर थे। कार्यक्रम में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, शोध और विकास के प्रमुख संचालक प्रो. हरेल थामस, भौतिकी विभाग एवं गणित विभाग के डीन,(एसएमपीएस) प्रो. आशीष वर्मा, भौतिकी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. रनवीर कुमार, डा. केके डे उपस्थित थे। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि द्वारा इस प्रकार की कार्यशाला होते रहना चाहिए।

उन्होंने सभी का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि इस प्रकार की कार्यशाला से छात्रों को नौकरियां पाने में विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक होंगी। प्रो. आशीष वर्मा ने कहा कि आज हम एनएमआर की मशीन देख रहे है पहले हमारे पास उतनी सुविधाएं नहीं होती थी। आज यदि हमें किसी पदार्थ का एक्स. आरडी निकालना होता है तो हमें बहुत आसानी से डाटा प्राप्त हो जाता है, क्योंकि सारा काम मशीनों द्वारा हो गया है पर पहले ऐसा नहीं था।

प्रो. रनवीर कुमार ने कहा कि इस आयोजन से बच्चे लाभान्वित होंगें व उम्मीद है कि उन्हें कई सारे जो विषय से संबंधित परेशानियां है वे सभी समाप्त हो जाएंगी। कार्यशाला तीन दिनों तक चलेगी, जिसमें सभी को मशीनों का उपयोग एवं उन्हें चलाने का तरीका बताया जाएगा। प्रो. आरवी होजूर ने बताया कि किस प्रकार हम एनएमआर का प्रयोग कैंसर की पहचान करने में कर सकते है।

उन्होंने यह भी बताया कि आयुर्वेद में जो त्रिफला व अष्वगंधा का प्रयोग होता था। इस दौरान प्रो. दीपक चौपड़ा ने क्षय किरणों का प्रयोग की जानकारी दी। रसायन विभाग के प्रो. डा. कल्पतरू दास, सेवानिवृत्त प्रो. अनिल कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का समन्वयन शोध छात्रा ऋतु आर्य द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डा. प्रशान्त शुक्ला, डा. संध्या पटेल, डा. अनुपमा चन्दा, डा. रेखा गर्ग सोलंकी, रमेश प्रजापति, अंजली,मोनिका, वैशाली, हर्षा, प्रिंस, लेखन, सुशील आदि उपस्थित थे।

सांस्कृतिक मूल्यों से अनुप्राणित होगा विवि परिसर : कुलपति

डाक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विश्वविद्यालय के विभिन्न मार्गों एवं पथ के नाम पट्टिका का अनावरण किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय परिसर के विभिन्न मार्गों के नाम समृद्ध ज्ञान विरासत के परिचायक होंगे। प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा, संवैधानिक मूल्यों एवं आदर्शों को दर्शित करते हुए विश्वविद्यालय परिसर में सीखने सिखाने के अवसर कक्षाओं में ही नहीं बल्कि कक्षाओं के बाहर भी जीवंत रूप में विद्यमान होंगे। विवि ज्ञान के सजग प्रतिनिधि होते हैं। परिसर से गुजरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समझ विकसित हो, यही मार्गों के नामकरण का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने ज्ञान मार्ग के नाम पट्टिका का अनावरण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डा. रंजन कुमार प्रधान, डा. कालीनाथ झा, डा. संजय शर्मा, डा. राकेश सोनी, डा. आशुतोष सहित कई शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर में

साइंस विभाग के शिवम को मिला बेस्ट रिसर्च अवार्ड

सागर। डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय के फार्मास्यूटिकल साइंस विभाग के छात्र शिवम कोरी को बेस्ट रिसर्च के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। महाकाल इंस्टिट्यूट फार्मास्युटिकल साइंस उज्जैन में पिछले दिनों आयोजित अंतरराष्ट्रीय कान्फ्रेंस–न्यू हारीजन इन ड्रग डिस्कवरी एंड डेवलपमेंट : रिसेंट इसूज, में ओरल प्रजेंटेशन के दौरान शिवम को चयनित कर उन्हें इस अवार्ड से सम्मानित किया गया। गढ़ाकोटा निवासी शिवम कोरी, डा. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में नोवल नाइट्रोजन कन्टेनिंग हीट्रोसाइकल कंपाउंड की सिंथेसिस और एंटी–कैंसर प्रभाव पर, प्रो. सुशील कुमार काशव और प्रो. अस्मिता गजभिये पाटिल के सुपरविजन में रिसर्च कर रहे हैं। उन्होने इसका श्रेय कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विभागाध्यक्ष प्रो. वंदना सोनी, विभाग के शिक्षकों व अपने माता पिता उर्मिला जगदीश प्रसाद कोरी को दिया। (नप्र)

सोशल मीडिया पर प्रसारित ख़बरें

1. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-convocation-is.html
2. https://www.publicvibe.com/post/1678452189719149167?utm_source=share&utm_medium=android&userid=1638075995403565150
3. https://www.teenbattinews.com/2023/03/31-14-14-16.html?m=0
4. https://ncrsamacharlive.in/newsdetails/latest_Post/madhya-pradesh-rehearsal-of-convocation-ceremony-held-at-sagar-dr-harisingh-gour-university-golden-jubilee-auditorium
5. https://www.etvbharat.com/hindi/madhya-pradesh/state/sagar/sagar-university-convocation-students-receive-degree-wearing-bundeli-turban rehearsalcontinues/mp20230313105646032032777
6. https://youtu.be/cZccqdiXshs
7. https://www.youtube.com/live/AtL_js0EK84?feature=share
8. https://bharatbhvh.com/universitys-31st-convocation-on-march-14/
9. https://khabarkaasar.com/2023/03/first-national-womens-student-parliament-will-be-organized-from-march-14-to-16/
10. https://www.teenbattinews.com/2023/03/gour-vishwavidyalaya-sagar.html?m=0
11. https://www.sagarwatch.in/2023/03/convocation-ceremony-digital-education.html

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in Website- www.dhsgsu.edu.in